ELARIS CONSULTING
Beyond The Visible

की तरफ से
आप सभी को दीपावली
की शुभकामनाएं

(An India Newspaper)

# यूथ ऑरा
YOUTH AURA
इनोवेशन.ट्रांसफॉर्मेशन.ऑटोमेशन

(Sponsored by)
SPYeye SOLUTIONS
TRANSFORMATION AUTOMATION INNOVATION

वर्ष:01 | अंक : 12 | मंगलवार, 28 अक्टूबर-3 नवम्बर 2025 | हिन्दी साप्ताहिक | मुल्य 02 रुपये | मुख्य सम्पादकः लव जैन | RNI. NO.: HRBIL/25/A1127 | पृष्ठः 8

## चीन में बने एप का इस्तेमाल कर पुलिस को धोखा दे रहे थे साइबर ठग

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में साइबर ठग चीन में बने एक विशेष एप का उपयोग करके पुलिस से एक कदम आगे चल रहे हैं। दरअसल ठग चीन में बने एक एप का इस्तेमाल करते हैं जिसके जरिए उन्हें पहले ही पता चल जाता है कि पुलिस किस बैंक खाते को फ्रीज (ज़ब्त) करवाने वाली है। राजस्थानियों से 9 महीने में 3 अरब 38 करोड़ रुपये की ठगी हुई है। पुलिस अब तक केवल 2 करोड़ 22 लाख रुपये ही रिकवरी कर सकी है। भिवाड़ी पुलिस द्वारा पकड़े गए 122 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मास्टरमाइंड अंकित शर्मा ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया। वह बैंक खाते किराए पर लेकर चीन में बैठे ठगों को उपलब्ध कराता था। ठगी का पैसा जिन खातों में जाता था, वे सभी इस एप से जुड़े होते थे। ठग लाइव देख सकते थे कि किस खाते में कितना पैसा जमा हुआ और कितना निकाला गया। जब साइबर पुलिस खाता फ्रीज करवाने की कोशिश करती थी, तब इस चीनी एप के जरिए उन्हें पहले ही अलर्ट मिल जाता था। साइबर फॉड का संचालन बड़े स्तर पर चीन, दुबई और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से हो रहा है। विदेशी ठग भारत में एजेंट तैयार करते हैं और उन्हें कमीशन का लालच देते हैं। विदेशी ठग भारतीय एजेंटों से कभी फोन पर बात नहीं करते, बल्कि केवल टेलीग्राम और वॉट्सएप चैट के जरिए संपर्क में रहते हैं। इतना ही नहीं साइबर ठग गिरोह का एक इन-हाउस लाइव-एप है जो म्यूल खातों (ठगी का पैसा ट्रांसफर करने में इस्तेमाल होने वाले खाते) को रियल-टाइम में ट्रैक करता है। यह एप उन्हें बताता है कि किस खाते में रकम आई, कौन-सा खाता पुलिस ने फ्रीज कर दिया है, और किस खाते से पैसे निकाले जा सकते हैं।

## सोना तस्करी मामले में म्यांमार की महिला गिरफ्तार, अंडरगारमेंट में छिपाकर ला रही थी सोने की छड़ें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने सोने की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। विभाग ने म्यांमार की एक महिला यात्री को गिरफ्तार किया है, जो अपने अंत-वस्त्र में छिपाकर सोने की छड़ें भारत लाने की कोशिश कर रही थी। बरामद सोने का कुल मूल्य 1.17 करोड़ रुपये बताया गया है। सीमा शुल्क विभाग के अनुसार, आरोपी महिला बीते दिवस यंगून (म्यांमार) से दिल्ली पहुंची थी। गुप्त सूचना के आधार पर उसे आईजीआई एयरपोर्ट पर रोका गया। जब उसकी व्यक्तिगत तलाशी ली गई, तो उसके अंत-वस्त्र में छह सोने की छड़ें पाई गईं। अधिकारियों ने बताया कि छड़ें भूरे रंग के टेप में सावधानीपूर्वक लपेटकर छिपाई गई थीं ताकि स्कैनर में पकड़ न आएं। बरामद सोने का वजन 996.5 ग्राम है। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह मामला सोने की अवैध तस्करी से जुड़ा प्रतीत होता है। महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

## हिमाचल प्रदेश पुलिस में बी-1 परीक्षा सर्वर क्रैश होने के कारण स्थगित

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल पदोन्नति के लिए आयोजित होने वाली बी-1 परीक्षा सर्वर क्रैश होने के कारण स्थगित हो गई है। यह परीक्षा करीब 8 साल के लंबे अंतराल के बाद आयोजित की जा रही थी। परीक्षा देने के लिए 4,461 (लगभग 4400) कांस्टेबल 14 केंद्रों पर पहुंचे थे। परीक्षा कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल पदोन्नति के लिए आयोजित हो रही है। पहले 21 सितंबर को होनी थी, जो बारिश के कारण 26 अक्टूबर को प्रस्तावित की गई थी। दो शिफ्टों में आयोजित होनी थी (प्रात :कालीन- 2,696 उम्मीदवार और सायंकालीन- 1,765 उम्मीदवार)। डीजीपी अशोक तिवारी ने तकनीकी कारणों से व्यवधान की पुष्टि की और निष्पक्षता व पारदर्शिता बनाए रखने के लिए परीक्षा को अस्थायी रूप से स्थगित करने की जानकारी दी। विभाग ने हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। तकनीकी समस्याओं के समाधान के बाद जल्द ही घोषित की जाएगी।

## निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे तेज रफ़्तार कार दुर्घटनाग्रस्त, सात लोग घायल

हरदोई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर वाहन चलाना प्रतिबंधित होने के बावजूद एक तेज रफ़्तार कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना हरदोई, हरपालपुर के ग्राम इकनौरा के पास निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर हुई। शनिवार देर रात तेज रफ़्तार कार अनियंत्रित होकर एक्सप्रेस-वे से नीचे खाई में जा गिरी और पलट गई। पुलिस के अनुसार, चालक ने कार की अधिक रफ़्तार के कारण संतुलन खो दिया। हादसे में सात लोग घायल हुए, जिसमें साले-बहनोई भी शामिल हैं। फर्रुखाबाद के ग्राम कनकापुर के मोहित मिश्रा (जो कार चला रहे थे), उनके साले संदीप पांडेय, साढ़ू पुनीत शुक्ला, बड़े भाई कुलदीप, भाभी कोमल, भतीजा यश, और भतीजी अंशिका। राहगीरों और पुलिस की मदद से घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। कुलदीप, संदीप, और कोमल की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। मोहित मिश्रा कानपुर से दवा लेकर घर (फर्रुखाबाद) लौट रहे थे। बता दें कि गंगा एक्सप्रेस-वे अभी यातायात के लिए बंद है और इस पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित है। जिलाधिकारी ने सभी थाना प्रभारियों, एसडीएम को इस पर आवागमन रोकने का निर्देश दिया था और नागरिकों से भी अपील की थी कि वे अपनी जान जोखिम में न डालें। इसके बावजूद लोग इस निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे का प्रयोग कर रहे हैं।

### 37 दिन बाद भी जुबीन गर्ग की स्मारक पर श्रद्धांजलि देने वालों का ताँता

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सोनपुर में 37 दिन पहले जुबीन गर्ग का अंतिम संस्कार हुआ था। लेकिन अभी भी लोक गायक जुबीन गर्ग के स्मारक में श्रद्धांजलि देने वालों का ताँता लगा हुआ है।जुबिन की मौत 19 सितंबर को सिंगापुर में डूबने के कारण हुई थी। 23 सितंबर को कमरकुची गांव में उनका अंतिम संस्कार हुआ था।हर दिन 5 से 10000 लोग श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पहुंच रहे हैं।

# सीएम सिद्धारमैया ने दिए संकेत, नए साल से पहले कर्नाटक सरकार में होगा फेरबदल

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने संकेत दिए हैं कि उनकी सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद, यानी नवंबर के बाद, कैबिनेट में फेरबदल हो सकता है। मीडिया से बातचीत में सिद्धारमैया ने खुलासा किया कि कांग्रेस आलाकमान ने चार महीने पहले ही उन्हें कैबिनेट विस्तार का सुझाव दिया था। हालांकि, उन्होंने आलाकमान को सूचित किया कि यह फेरबदल सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद होगा। सीएम ने कहा, 'ढाई साल का पड़ाव पार होने के बाद मैं पार्टी आलाकमान से चर्चा करूंगा और उनके निर्देशों के अनुसार फैसला लूंगा।''

सिद्धारमैया 16 नवंबर को दिल्ली दौरे पर जाएंगे, जहां वे वरिष्ठ वकील और कांग्रेस के पूर्व नेता कपिल सिब्बल की किताब के विमोचन समारोह में शामिल होंगे। इस दौरे के दौरान वे कांग्रेस आलाकमान से भी मुलाकात करेंगे और अपनी सरकार के विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि कर्नाटक

विधानसभा का शीतकालीन सत्र दिसंबर में आयोजित होगा।

यह फेरबदल ऐसे समय में प्रस्तावित है, जब सिद्धारमैया सरकार को ढाई साल पूरे हो रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही यह चर्चा जोरों पर रही है कि सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद साझा करने की सहमति बनी थी। हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने इस तरह की किसी औपचारिक सहमति से इनकार किया है, लेकिन कर्नाटक की सियासत में यह मुद्दा बार-बार सुर्खियां बटोरता रहा है।

2023 में कांग्रेस की जीत के बाद सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों ही मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे। इस मुद्दे पर लंबी चर्चाओं के बाद दोनों नेताओं ने दिल्ली में पार्टी आलाकमान से मुलाकात की थी। अंततः सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन तब से यह कयास लगाया जाता रहा है कि ढाई साल बाद डीके शिवकुमार को यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। अब, जब सरकार का ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है और कैबिनेट फेरबदल की बात सामने आ रही है, कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। क्या यह फेरबदल केवल मंत्रिमंडल तक सीमित रहेगा या मुख्यमंत्री पद में भी बदलाव होगा, यह देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल, सिद्धारमैया के दिल्ली दौरे और आलाकमान के साथ उनकी चर्चा पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

## लैंडिंग के बाद 32 मिनट तक नहीं खुला इंडिगो प्लाइट का गेट, यात्रियों में मची अफरातफरी

**कानपुर (एजेंसी)।** मुंबई से कानपुर आने वाली इंडिगो फ्लाइट (6ई-824) शनिवार को यात्रियों के लिए डर और बेचैनी का सबब बन गई। दरअसल विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद 32 मिनट तक गेट नहीं खुला, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। महिलाएं और बच्चे घबरा गए, वहीं यात्री बार-बार एयर होस्टेस से बाहर निकलने की गुहार लगाते रहे। जानकारी के अनुसार, विमान को दोपहर 3:58 बजे कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर उतारा गया था। लैंडिंग के बाद यात्रियों को बताया गया कि विमान में ÷तकनीकी खराबी÷ आ गई है, जिसके कारण गेट नहीं खोला जा सकता। करीब आधे घंटे तक यात्री विमान के भीतर ही फंसे रहे। फ्लाइट में सवार यात्रियों का कहना था कि लोग बार-बार पूछ रहे थे कि आखिर क्या हुआ? बच्चे रोने लगे थे, कुछ लोग सीटें छोड़कर इधर-उधर घूमने लगे और ऐसे में माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया था।

**तकनीकी खराबी निकली वजह-** सूचना पर एयरपोर्ट की तकनीकी टीम रनवे पर पहुंची। जांच में पता चला कि विमान की बैटरी डिस्चार्ज हो गई थी, जिसकी वजह से ऑटोमेटिक गेट सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया। बैटरी को चार्ज करने के बाद शाम 4:42 बजे गेट खोला गया और तब जाकर यात्री बाहर निकल पाए। कई लोगों ने बाहर आकर भगवान का धन्यवाद किया और राहत की सांस ली।

**वापसी उड़ान में भी देरी-** इसी विमान को कानपुर से मुंबई के लिए रवाना होना था, लेकिन तकनीकी दिक्कतों के कारण वह उड़ान भी करीब डेढ़ घंटे लेट हो गई। जो फ्लाइट शाम 4 बजे उड़नी थी, वह 5:30 बजे रवाना हुई।

## करूर भीषण भगदड़ मामले की जांच सीबीआई के हाथ में, विजय की पार्टी की रैली के दौरान हुई थी भगदड़

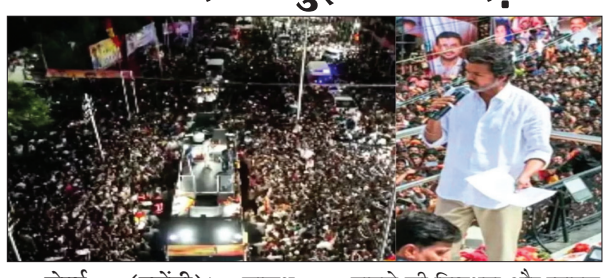

**चेन्नई (एजेंसी)।** साऊथ अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कजगम (टीवीके) की राजनीतिक रैली के दौरान करूर में हुई भीषण भगदड़ की जांच सीबीआई ने अपने हाथ में ले ली है। सीबीआई अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। 27 सितंबर को वेलुसामीपुरम, करूर में हुई घटना में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से अधिक घायल हुए थे। अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके द्वारा स्वतंत्र जांच के लिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने संवेदनशील मामले को सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया।

सीबीआई की विशेष टीम ने तमिलनाडु के करूर स्थित घटनास्थल का दौरा किया है। प्रक्रिया के अनुसार, सीबीआई ने राज्य पुलिस की एफआईआर को फिर से दर्ज कर स्थानीय अदालत को इस घटनाक्रम की जानकारी दे दी है।

मामले की निष्पक्षता और व्यापक प्रभाव को देखते हुए, शीर्ष अदालत ने सीबीआई जांच की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय पर्यवेक्षी समिति का गठन किया गया है। अदालत ने सीबीआई निदेशक को जांच की जिम्मेदारी संभालने के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी की नियुक्ति करने और उनकी सहायता के लिए अन्य अधिकारियों को नियुक्त करने का भी निर्देश दिया। यमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि 27 सितंबर की भगदड़ ने पूरे देश के नागरिकों के मन पर गहरी छाप छोड़ी है।

पीठ ने मामले के राजनीतिक निहितार्थों का उल्लेख करते हुए कुछ शीर्ष पुलिस अधिकारियों की मीडिया टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त की। अदालत ने कहा कि इन टिप्पणियों से नागरिकों के मन में निष्पक्ष और निष्पक्ष जांच को लेकर संदेह पैदा हो सकता है।

## महिला डॉक्टर आत्महत्या में कई खुलासे: रेप के आरोपी सब-इंस्पेक्टर समेत इंजीनियर गिरफ्तार

**सातारा (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के सातारा जिले में एक सरकारी महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले ने पूरे क्षेत्र में सनसनी मचा दी है। इस मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेप के आरोपी सब-इंस्पेक्टर गोपाल बडने को गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, बडने और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज था, लेकिन बडने लंबे समय तक फरार रहा। आखिरकार, उसने फलटण ग्रामीण पुलिस थाने में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। इससे पहले, पुलिस ने 28 वर्षीय महिला डॉक्टर की आत्महत्या के सिलसिले में सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बांकर को भी गिरफ्तार किया था। मृतका, जो मराठवाड़ा के बीड जिले की रहने वाली थी, सातारा के सरकारी अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रही थी।

गुरुवार रात फलटण के एक होटल के कमरे में उसका शव फंदे से लटका मिला।

मृतका की हथेली पर लिखे सुसाइड नोट ने मामले को और गंभीर बना दिया, जिसमें उसने सब-इंस्पेक्टर गोपाल बडने पर कई बार बलात्कार करने और बांकर पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया।पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों आरोपियों के खिलाफ फलटण में बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। जांच में पता चला कि बांकर उस मकान का मालिक का बेटा है, जहां डॉक्टर किराए पर रहती थी। मामले में नाम सामने आने के बाद बडने को पहले ही निलंबित किया जा चुका था। इस बीच, शुक्रवार रात बीड जिले के वडवानी तहसील में मृतका का अंतिम संस्कार किया गया।मृतका के रिश्तेदारों ने इस घटना पर गहरा आक्रोश जताया और आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की। एक रिश्तेदार ने दावा किया कि डॉक्टर ने उत्पीड़न की कई शिकायतें की थीं, लेकिन पुलिस और प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जिसके चलते उसे यह कठोर कदम उठाना पड़ा। इस मामले ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए हैं, और स्थानीय लोग अब कठोर न्याय की मांग कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है, और दोनों आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने न केवल सातारा, बल्कि पूरे महाराष्ट्र में महिलाओं की सुरक्षा और पुलिस की जवाबदेही पर बहस छेड़ दी है।

### लेडी डॉक्टर पर ही उठने लगे सवाल

गिरफ्तार इंजीनियर के भाई और बहन ने बताया कि मीडिया में जो खबरें चल रही हैं कि उसे पुणे के फार्महाउस से पकड़ा गया, वो गलत हैं। क्योंकि हमने खुद पुलिस को बुलाकर फलटण स्थित हमारे घर से खुद सरेंडर कराया था। लेडी डॉक्टर लगातार मेरे भाई को फोन करती थीं और परेशान कर रही थीं। हमारे पास सारे कॉल रिकॉर्ड्स और सोशल मीडिया चैट्स हैं जो हमने पुलिस को दिए हैं। पिछले महीने उसका भाई डेंगू से बीमार था। डॉक्टर ने ही उसका इलाज किया और दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। करीब 15 दिन पहले डॉक्टर ने भाई को शादी का प्रस्ताव दिया, लेकिन उसने मना कर दिया। दीवाली के समय डॉक्टर कुछ तनाव में थीं, लेकिन हमें लगा काम का दबाव होगा।

पुलिस के मुताबिक, डॉक्टर उस पर शादी और शारीरिक संबंध बनाए रखने का दबाव डाल रही थी। जांच में अब तक कई कॉल रिकॉर्डिंग्स और चैट्स मिले हैं जिनमें डॉक्टर तनाव, दबाव और भावनात्मक उलझन की बात करती दिख रही हैं।

## लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का गैंगस्टर लखविंदर कुमार को अमेरिका से डिपोर्ट कर भारत लाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर गैंगस्टर लखविंदर कुमार जो लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा है, अमेरिका से डिपोर्ट कर दिल्ली लाया गया है। सीबीआई ने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने पर हरियाणा पुलिस ने लखविंदर को तुरंत हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, लखविंदर पर हरियाणा में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसमें फिरौती, धमकी, अवैध हथियार रखना और हत्या की कोशिश शामिल है। हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर सीबीआई ने इंटरपोल के जरिए उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया था। यह नोटिस 26 अक्टूबर 2024 को जारी हुआ था, जिसके बाद संयुक्त प्रयासों से आरोपी को 25 अक्टूबर 2025 को भारत वापस लाया गया। सीबीआई ने बताया कि विदेश मंत्रालय (एमईए) और गृह मंत्रालय के सहयोग से इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। सीबीआई ने भारत में अलग-अलग एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया ताकि लखविंदर को वापस लाया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में 130 से ज्यादा वांछित अपराधियों को भारत लाया गया है। पिछले महीने भी सीबीआई ने हरियाणा पुलिस, विदेश और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर कुख्यात अपराध मेनपाल धिल्ला उर्फ सोनू कुमार को कंबोडिया से वापस लाया था। धिल्ला को हत्या, हत्या के प्रयास, अवैध हथियार और साजिश के मामलों में उम्रकैद की सजा मिली हुई है।

## खुद को अकेला महसूस कर रहे कांग्रेस उम्मीदवार, राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार से बनाई दूरी

**पटना (एजेंसी)।** बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे कांग्रेस खेमे में यह सवाल गूंज रहा है कि विपक्ष के प्रमुख नेता राहुल गांधी चुनावी रणभूमि से दूरी क्यों बनाए हुए हैं। राहुल गांधी ने आखिरी बार 1 सितंबर को पटना में अपनी 'मतदाता अधिकार यात्रा' के समापन के दौरान बिहार का दौरा किया था। यह यात्रा 15 दिनों में 1,300 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 20 जिलों तक पहुंची थी। इसके बाद से वे बिहार में नजर नहीं आए। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव इस बीच दिल्ली पहुंचे और सूत्रों के अनुसार, उन्होंने वहां मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम की घोषणा की मांग की।

कांग्रेस के कई प्रत्याशियों ने पार्टी नेतृत्व और राहुल गांधी के कार्यालय से अपने क्षेत्रों में प्रचार के लिए उनके आगमन की मांग की है। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी की अनुपस्थिति से स्थानीय कार्यकर्ताओं में भ्रम और निराशा का माहौल है। हालांकि, पार्टी के आंतरिक सूत्रों का दावा है कि महागठबंधन के भीतर ज्यादातर मुद्दों का समाधान हो चुका है और राहुल गांधी अगले सप्ताह से बिहार में चुनावी प्रचार शुरू कर सकते हैं।महागठबंधन में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की मांग ने शुरू में कांग्रेस को असमंजस में डाल दिया था। कांग्रेस को आशंका थी कि तेजस्वी यादव के खिलाफ हाल ही में एक नए मामले में आरोपपत्र दाखिल होने के कारण उनके नाम की घोषणा से गठबंधन और पार्टी की छवि को नुकसान हो सकता है।

इस मसले को सुलझाने के लिए कांग्रेस ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को बिहार भेजा। पटना में गहलोत ने आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की और इसके बाद एक संवाददाता सम्मेलन में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया।'इंडिया' गठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया है, जबकि निषाद समुदाय के नेता और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का वादा किया गया है। अशोक गहलोत ने घोषणा के दौरान कहा कि अन्य सामाजिक और धार्मिक समूहों से भी अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। हालांकि, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं ने आरोप लगाया है कि बिहार की 17 प्रतिशत मुस्लिम आबादी के बावजूद विपक्ष ने इस समुदाय की उपेक्षा की है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों को उम्मीद है कि राहुल गांधी के प्रचार में उतरने से महागठबंधन को मजबूती मिलेगी। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आरजेडी पहले से ही आक्रामक प्रचार में जुटी है।

## देहरादून में द केरल स्टोरी जैसा सनसनीखेज मामला: धर्मांतरण की साजिश नाकाम, चार गिरफ्तार

**देहरादून (एजेंसी)।** उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में फिल्म द केरल स्टोरी की तर्ज पर एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक युवती को झूठे वादों और प्रलोभन देकर धर्मांतरण और निकाह के लिए मजबूर करने की साजिश रची गई। रानीपोखरी की इस युवती को बहलाने की कोशिश में शामिल छांगुर गैंग के चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात यह है कि ये आरोपी पहले आगरा में एक अन्य धर्मांतरण मामले में भी पकड़े जा चुके हैं।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि पीड़िता की दोस्ती फेसबुक के जरिए अबू तालिब से हुई थी। अबू ने झूठे वादों और प्रलोभनों के जरिए उसे धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया। इसके बाद उसने युवती की मुलाकात अपने दोस्त अयान से कराई, जिसके साथ दिल्ली में निकाह की योजना बनाई गई। साजिश के तहत युवती को आर्थिक मदद, ऑनलाइन कपड़े, मोबाइल फोन, और सिम दी गई। व्हाट्सऐप बिजनेस ऐप डाउनलोड करवाकर संपर्क बनाए रखा गया। रानीपोखरी तक कैब भेजी गई, और उसे दिल्ली में अब्दुल के 'सेफ हाउस' में रखने की तैयारी थी। लेकिन, आखिरी समय पर युवती ने निकाह से इनकार कर दिया, जिससे एक बड़ी वारदात टल गई। शनिवार को देहरादून कोर्ट में चारों आरोपियों अब्दुल रहमान उर्फ महेंद्र पाल सिंह (दिल्ली), एसवी कृष्णा उर्फ आयशा (गोवा), अब्दुर रहमान उर्फ रुपेंद्र सिंह (देहरादून, मूल निवासी मैनपुरी), और अबू तालिब (मुजफ्फरनगर) को आगरा पुलिस द्वारा पेश किया गया। कोर्ट की सुनवाई के बाद उन्हें वापस आगरा ले जाया गया। देहरादून के एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि इनके खिलाफ कोर्ट से वारंट-बी जारी करवाया गया था, जिसके बाद यह कार्रवाई हुई। एसएसपी अजय सिंह के अनुसार, इस साजिश में शामिल सभी आरोपियों पर बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया है। जांच में पता चला कि यह गैंग संगठित तरीके से काम करता था और पहले भी आगरा में इसी तरह के मामले में लिप्त था। पुलिस ने इस मामले में गहन जांच शुरू कर दी है और अन्य संभावित पीड़ितों की तलाश कर रही है। इस घटना ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और सोशल मीडिया के दुरुपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोग और सामाजिक संगठन इस मामले में कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

## 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आ रहा तूफान, प्रशासन की सांसें फूलीं, 3 राज्यों में हाई अलर्ट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बंगाल की खाड़ी में बन रहे गहरे दबाव ने चक्रवाती तूफान मोंथा ने विकराल रूप ले लिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 28 अक्टूबर की शाम या रात को यह तूफान आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम और कालींगपट्टनम के बीच, काकीनाडा के पास टकरा सकता है। आईएमडी के वैज्ञानिक एस करुणासागर ने बताया कि इससे पहले आंध्र तट के पास 45 से 55 किमी/घंटा की हवाएं चलने लगेंगी, जो धीरे-धीरे 90-110 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं।' इसके असर को देखते हुए आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में प्रशासन ने हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

आंध्र प्रदेश में चक्रवात के खतरे को देखते हुए जिलों में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। सभी जिलों में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं और अधिकारियों को चौकसी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। विशाखापट्टनम कलेक्टरेट में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जहां लोग चक्रवात से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए मदद ले सकते हैं। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 0891-2590102 और 0891-2590100 जारी किए गए हैं। विशाखापट्टनम के कलेक्टर एमएन हरेंद्र प्रसाद ने कहा कि स्टाफ शिफ्ट के आधार पर चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा। आंध्र प्रदेश सरकार ने तटीय जिलों और रायलसीमा क्षेत्र में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ आपात बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि आवश्यक सेवाओं में किसी भी तरह की रुकावट नहीं आनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां घोषित की जाएं। सीएम ने कहा कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को संवेदनशील जिलों में तैनात किया जाए। काकीनाडा में 'हॉस्पिटल ऑन व्हील्स' की व्यवस्था रखी जाए। बिजली और पेयजल आपूर्ति निर्बाध रहनी चाहिए। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि गुंटूर, नेल्लोर, चित्तूर, काकीनाडा, बापटला और वाईएसआर कडप्पा जिलों में विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। 27 और 28 अक्टूबर को सारे स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे।आईएमडी ने चेतावनी दी है कि 27 से 29 अक्टूबर तक तटीय और रायलसीमा जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश (210 मिमी से अधिक) हो सकती है।

थाईलैंड ने इस चक्रवाती तूफान का नाम मोंथा रखा है। थाई भाषा में इसका अर्थ है 'सुगंधित या सुंदर फूल' होता है। भारतीय मौसम विभाग ने इसे 'सीवियर साइक्लोनिक स्टॉर्म' यानी गंभीर चक्रवाती तूफान की श्रेणी में रखा है। इस दौरान 90 से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और कई जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा होगी।आईएमडी के अनुसार, यह तूफान फिलहाल दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में केंद्रित है और लगातार पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। शनिवार को यह पोर्ट ब्लेयर से 460 किमी पश्चिम-दक्षिण पश्चिम, चेन्नई से 950 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व, और काकीनाडा से 970 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित था।

वहीं ओडिशा सरकार ने भी अपनी आपदा प्रबंधन प्रणाली को सक्रिय कर दिया है। राज्य के 16 जिलों पर तूफान का प्रभाव पड़ने की आशंका है। राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने 15 जिलों के कलेक्टरों के साथ समीक्षा बैठक की और कहा, 'लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। प्रशासन पूरी तैयारी में है। चक्रवात से पहले सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।' सरकार ने कोरापुट, मलकानगिरी, रायगढ़ा,

नबरंगपुर, कालाहांडी, गंजाम और गजपति जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। जबकि नौ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। संवेदनशील इलाकों में सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और साइक्लोन शेल्टर तैयार रखे गए हैं। आईएमडी के अनुसार, सोमवार शाम से 80 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं। तमिलनाडु के तटीय जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो चुकी है। चेन्नई, नागपट्टिनम, और कुड्डालोर जिलों में अगले चार से पांच दिन तक लगातार बारिश जारी रहने की संभावना है।

# आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत महिला सम्मेलन आयोजित

संवाददाता

**मथुरा।** भारतीय जनता पार्टी मथुरा महानगर के आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत रविवार को पुराना भाजपा कार्यालय, जुबली पार्क, डैंपियर नगर पर महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का विषय था घर-घर स्वदेशी, नारी शक्ति से आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम का शुभारंभ हाथरस की विधायक अंजुला माहौर भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव कार्यक्रम संयोजक रामकिशन पाठक वास्तव तथा महानगर महिला मोर्चा अध्यक्ष पूजा चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया।मुख्य अतिथि विधायक अंजुला माहौर ने अपने विस्तृत संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर भारत बनाने का जो संकल्प लिया है, उसमें महिलाओं की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। आज भारत की नारी केवल घर की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, उद्योग, सेवा, राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है। हमें गर्व है कि भारत की हर बेटी और हर माँ अब राष्ट्रनिर्माण की सशक्त सहभागी बन चुकी है।उन्होंने आगे कहा कि स्वदेशी अपनाना केवल आर्थिक पहल नहीं, बल्कि यह राष्ट्रभक्ति का भाव है। जब हम अपने घरों में स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करते हैं, तो हम देश के कारीगरों, उद्यमियों और श्रमिकों को सम्मान व समर्थन देते हैं। आत्मनिर्भर भारत का अर्थ केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मविश्वास के साथ खड़ा भारत बनाना है।भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजूयादव ने अपने संबोधन में कहा कि आत्मनिर्भर भारत का संकल्प तभी साकार होगा जब समाज की आधी आबादी, अर्थात हमारी माताएँ और बहनें, इसमें सक्रिय रूप से भाग लेंगी। भाजपा ने हमेशा महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि आज देश की महिलाएँ हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं चाहे राजनीति हो, शिक्षा, व्यापार या रक्षा। मोदी सरकार की नीतियों ने महिलाओं को सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास प्रदान किया है। हमें हर घर में स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है। आत्मनिर्भर भारत का मार्ग स्वदेशी और नारी शक्ति के संगम से ही प्रशस्त होगा। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष महिला मोर्चा पूजा चौधरी व्यापार मंडल बृज क्षेत्र संयोजक हेमंत खंदौली सुषमा गर्ग कल्पना गर्ग पार्षद रचनापाठक सोनू गौड़ आरती चतुवेर्दी तनुजा चतुवेर्दी कुंज बिहारी चतुवेर्दी नितिन चतुवेर्दी ललित गौतम मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा आदि मौजूद।

## संक्षिप्त डायरी

### सूर्य षष्ठी पर्व पर रेड हिल्स ग्रुप के सीएमडी आलमगीर अंसारी और अंकुर शर्मा ने दी बधाई

संवाददाता

**कसया, कुशीनगर।** रियल एस्टेट की प्रमुख कंपनी रेड हिल्स ग्रुप के चीफ मेनेजिंग डायरेक्टर आलमगीर अंसारी और मैनेजिंग डायरेक्टर अंकुर शर्मा, मैनेजर रितेश शर्मा, एडमिन हेड साहिल अंसारी ने सूर्य षष्ठी महा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं नारी शक्ति को दी है। रविवार को कसया स्थित रेड हिल्स ग्रुप के मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में चीफ मेनेजिंग डायरेक्टर आलमगीर अंसारी ने कहा कि आस्था और श्रद्धा का महा पर्व छठ अपने आप में अनूठा पर्व है। यह पर्व प्रकृति संरक्षण, सूर्य उपासना, जल संरक्षण से जुड़ा वैज्ञानिक है। बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बंगाल, नेपाल सहित विश्व के देशों में नदी, जलाशयों पर उमड़ रहा आस्था का सैलाब मानवीय पहलू का सर्वोत्तम उदाहरण है। इस पूर्व को मोहब्बत के साथ खुशी से मनाएं। इस दौरान एसोसिएट आशिक अली, बीडीएम विशाल गोंड, राहुल जायसवाल, रिजवान अंसारी, उमर फारूक, एबीडीएम संदीप यादव, सुनील, वसीम अंसारी सहित सैकड़ों महिला, पुरुष वर्कर्स उपस्थित रहे।

### मोरम माफिया प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से अवैध खनन कर नियम कानूनों की उड़ा रहे हैं धज्जियाँ

संवाददाता

**हमीरपुर।** उत्तर प्रदेश के ईमानदार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती, जबकि खनन निदेशक माला श्रीवास्तव की रोक के बावजूद खनन माफिया बेखौफ होकर प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से मोरम का अवैध खनन कर, एक तरफ तो एनजीटी के नियमों की खुलेआम उड़ा रहे हैं धज्जियाँ, जबकि दूसरी तरफ शासन प्रशासन को लगा रहे हैं लाखों के राजस्व का चूना, जी हाँ! एसा ही ताजा मामला हमीरपुर की सरीला तहसील के इछौरा झिटकिरी के खण्ड-- 25/9 --पहलवान ट्रेडर्स में देखने को मिला। जिसमें एक नहीं बल्कि आधा दर्जन प्रतिबंधित भारी भरकम पोकलैण्ड मशीनों से नियम कानूनों को ताख पर रखकर किया जा रहा है मोरम का अवैध खनन। जबकि तेज तर्रार जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने पिछले दिनों खनन पट्टाधारकों के साथ एक जरुरी बैठक कर उन्हें नियमानुसार खनन करने की सख्त हिदायत दी थी, वही अवैध खनन और अवैध परिवहन न करने की भी हिदायत थी, लेकिन इसके बावजूद खण्ड संचालक बेखौफ होकर एनजीटी के नियम और कानूनों को ताख पर रखकर,जबकि शासन प्रशासन को धता बताकर खुलेआम प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से कर रहे हैं मोरम का अवैध खनन। वही शासन प्रशासन को लगा रहे हैं लाखों के राजस्व का चूना।

### पश्चिम बंगाल से सप्लाई हो रहे नकली नोट: अलीगढ़ में नकली नोटों के साथ पकड़ा गया था आरोपी

**अलीगढ़।** पश्चिम बंगाल के मालदा से नकली नोटों की सप्लाई की जा रही है। आरोपी पश्चिम बंगाल से नकली नोट लाते हैं और फिर इसे अलीगढ़ समेत पूरे प्रदेश में चलाते हैं। आरोपियों का रैकेट कई राज्यों में फैला हुआ है। यह जानकारी पुलिस को नकली नोट के साथ पकड़े गए आरोपी से पूछताछ में हुई है। देहलीगेट थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात को दो व्यक्ति नकली नोट के साथ जनसेवा केंद्र पर रुपए ट्रांसफर कराने पहुंचे थे। सेवा केंद्र संचालक को जब आरोपियों पर संदेह हुआ तो उसने पुलिस को सूचना दी थी। जिसके बाद एक आरोपी को 2.17 लाख रुपए के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया गया था। देहलीगेट थाना क्षेत्र के खैर अड्डे पर 24 अक्टूबर की रात को एक व्यक्ति जनसेवा केंद्र पर ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर कराने क लिए आया था। आरोपी ने संचालक को 500 के नोटों की गड्डी देकर रुपए ट्रांसफर करने के लिए कहा था। जिस पर संचालक को संदेह हुआ था और उसने लोगों की मदद से पुलिस को सूचना दी थी। जिसके बाद पुलिस ने कासगंज के जिकरुल हसन उर्फ रॉकी पुत्र अहमद हसन निवासी गणेशपुर बाग एटा रोड थाना गंजडुंडवारा को गिरफ्तार किया था। आरोपी के पास से पुलिस को 2 लाख 17 हजार रुपए के 500 के 434 नकली नोट मिले थे। इसके साथ 1000 रुपये (500 के दो असली नोट), एक मोबाइल फोन, बुलट बाइक बरामद हुई थी। पुलिस ने कासगंज निवासी जिकरुल हसन उर्फ रॉकी को नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया। उसके पास से 2.17 लाख रुपए के नकली नोट बरामद हुए हैं। आरोपी और उसके दो अन्य साथियों को 22 मार्च 2025 को रोरावर थाना क्षेत्र में भी नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद तीनों को मुकदमा दर्ज करके जेल भेजा गया था। जेल से छूटने के बाद आरोपी फिर से नकली नोट के काम में जुट गया। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि उसका दोस्त बारिक पुत्र शहजाद पश्चिम बंगाल से जाली नोट लाकर चलाता था।अच्छा मुनाफा कमाने के लालच में आरोपी भी इस काम में शामिल हो गया। जिसके बाद वह बारिक के साथ पश्चिम बंगाल गया था और वहां उसकी मुलाकात बारीक ने जुबेर नाम के व्यक्ति से कराई थी। जुबेर ने ही उन्हें नकली नोट दिए थे। लेकिन 22 मार्च को तीनों को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। जेल में आरोपी की मुलाकात मुकेश उर्फ अमन से हुई थी। दोनों के बीच दोस्ती हो गई, जिसके बाद अमन ने उसे जेल से छूटने के बाद मोबाइल और बुलट दी थी। 24 अक्टूबर को आरोपी मुकेश के साथ ही खेरेश्वर चौराहे पर गया था। यहां बारीक ने ही उसे 500-500 के नकली नोट दिए थे, जिसके बाद वह उसे चलाने के लिए जनसेवा केंद्र पर गए थे। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया है कि वह पश्चिम बंगाल से नकली नोट लाता है। लेकिन इसकी सप्लाई बांग्लादेश से की जाती है और फिर इसे देश भर में खपाया जाता है। जिसके बाद पुलिस अब इस सारे नेटवर्क की तलाश में जुटी हुई है।

### कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बने बिहार के स्टार प्रचारक

**लखनऊ।** कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को बिहार में चल रहे विधानसभा चुनाव का स्टार प्रचारक बनाया गया है। वह पहले फेज की सभी सीटों पर कांग्रेस और गठबंधन उम्मीदवारों का चुनाव प्रचार करेंगे। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पूरी टीम के साथ सप्ताहभर से बिहार चुनाव में डटे हैं। वह बक्सर सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। वह उत्तर प्रदेश में हुई दलित उत्पीड़न की घटनाओं का ब्यौरा देते हुए भाजपा सरकार की नाकामी गिना रहे हैं। इस बीच रविवार को कांग्रेस ने बिहार चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष, मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, मीरा कुमार, अधीर रंजन, इमरान प्रतापगढ़ी जैसे नेताओं के नाम शामिल हैं। उत्तर प्रदेश से सिर्फ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को शामिल किया गया है।

### आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने मायावती के आवास के बाहर की नारेबाजी, मिलने पर अड़े रहे

**लखनऊ।** 69 हजार शिक्षक भर्ती में शामिल आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने रविवार को बीएसपी कार्यालय का घेराव किया। लंबे समय तक हुए संघर्ष के बाद भी अभ्यर्थियों को किसी तरह की सफलता नहीं मिली। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर धरना स्थल इको गार्डेन भेज दिया। अभ्यर्थियों का कहना है कि हाई कोर्ट का जो फैसला आया था सरकार उसे जानबूझ कर लटका दिया। जिससे यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट में चला गया। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई न होने से अभ्यर्थी नाराज हैं। प्रदर्शनकारियों ने बताया की साल 2018 में यह भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। जब इसका परिणाम आया तो इसमें व्यापक स्तर पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय किया गया और उन्हें नौकरी देने से वंचित कर दिया गया। लंबे आंदोलन और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद बीते 13 अगस्त 2024 को लखनऊ हाई कोर्ट के डबल बेंच ने हम आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के हित में फैसला सुनाया और नियमों का पालन करते हुए अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने का आदेश दिया। लेकिन, सरकार इस प्रकरण में हीला हवाली कर रही हैं। अभ्यर्थियों की मांग है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता भेजे और हमारे पक्ष में सुनवाई करा कर हमें न्याय दिलाये।

### सर्दियां आते ही बदल गई रामलला की दिनचर्या, आरती-शयन के साथ भोग में भी हुआ बदलाव

**अयोध्या।** रामनगरी में जैसे ही मौसम ने करवट ली, वैसे ही श्रीरामजन्मभूमि परिसर में भी राग-भोग की परंपरा में बदलाव दिखने लगा। सुबह की ठंडक और शाम की नमी को देखते हुए अब रामलला को गुनगुने जल से स्नान कराया जा रहा है। भोग में भी मौसमी परिवर्तन के अनुरूप बदलाव किए गए है। बादाम, काजू, पिस्ता और किशमिश जैसे पौष्टिक ड्राई फ्रूट चढ़ाए जा रहे हैं, ताकि रामलला को सर्दी-जुकाम का कष्ट न हो।राम मंदिर में रामलला पांच साल के बालक के रूप में विराजमान हैं। ऐसे में उनकी सेवा एक बालक के रूप में ही की जाती है। जब-जब मौसम बदलता है तो उनके राग-भोग में भी बदलाव किया जाता है। मौसम के बदलते स्वरूप को ध्यान में रखते हुए भगवान की सेवा भी उसी अनुरूप ढाली जाती है। स्नान का जल सुबह हल्का गुनगुना रखा जा रहा है। भोग की थाली में अब तुलसी-दल से सुसज्जित खीर, माखन-मिश्री के साथ मेवे का पंचामृत शामिल है। राम मंदिर के पुजारी ने बताया कि अब चूंकि मौसम में सिहरन शुरू हो गई है। सुबह-शाम ठंड होने लगी है, इसलिए बालकराम के राग-भोग में परिवर्तन कर दिया गया है। बालकराम को सुबह 4:30 बजे जगाया जाता है और उन्हें स्नान कराया जाता है। उन्हें ठंड न लगे, इसलिए अब उन्हें गुनगुने पानी से स्नान कराया जाता है। साथ ही भोग में भी बदलाव किया गया है। भोग में रबड़ी व पेड़ा दिया जा रहा है। ड्राई फ्रूट्स जैसे काजू, बादाम व पिस्ता भी दिया जा रहा है। पिस्ता मिलाकर गर्म दूध दिया जा रहा है। भोजन में पूड़ी व हलुआ परोस रहे हैं। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर का भव्य निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अब मंदिर में धार्मिक आयोजन और औपचारिक कार्यक्रमों की तैयारियां जोरों पर हैं। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि अब जब मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो गया है, तो भगवान श्रीराम के साथ पूरा ह्यराम परिवारह्ल मंदिर की पहली मंजिल पर विराजमान है। यह मंदिर के निर्माण सफर का ऐतिहासिक क्षण है, जिसका साक्षी पूरा देश बनेगा। मिश्रा ने आगे कहा कि जिस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर के शिखर पर ह्यध्वजह्ल फहराएंगे, उसी दिन ह्यराम परिवारह्ल की विशेष आरती का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास द्वारा किया जा रहा है, जिसकी जिम्मेदारी चंपत राय को सौंपी गई है। इस कार्यक्रम में 6000 से 8000 आमंत्रितों को शामिल किया जाएगा, जिनमें संत, धार्मिक नेता, श्रद्धालु और कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहेंगे। अयोध्या में इस अवसर पर व्यापक स्तर पर तैयारियां चल रही हैं, ताकि आयोजन ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बन सके।

### यमुना एक्सप्रेस वे पर हादसा: कार ने दो टोल कर्मचारियों को कुचला, एंबुलेंस को रोक परिजनों ने किया हंगामा

**मथुरा।** यूपी के मथुरा स्थित मांट यमुना एक्सप्रेस वे पर सड़क हादसे में दो टोल कर्मियों की मौत हो गई इससे गुस्साए टोल कर्मचारियों ने शव को यमुना एक्सप्रेस वे के जेबर टोल प्लाजा पर रोक लिया और मुआवजा की मांग की। अधिकारियों के आश्वसन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। यमुना एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर 76 पर रविवार दोपहर को दर्दनाक सड़क हादसे में दो कर्मचारियों की मौत हो गई। हादसा नोएडा से आगरा की ओर हुआ। मृतक कर्मचारी बाबू सिंह और सोमबीर डिवाइडर की सफाई कर रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार कार (DL 12 CV 5522) ने उन्हें टक्कर मार दी। जिसमें बाबू सिंह ब्यासपुर, थाना बकेवर, इटावा और सोमबीर लक्ष्मीनगर, शहजादपुर के निवासी थे। टक्कर लगने के बाद वे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायलों को तत्काल सीएचसी नौहझील ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। नौहझील से मथुरा शव लेकर जा रही एंबुलेंस को यमुना एक्सप्रेस वे के जेवर टोल प्लाजा पर टोल कर्मियों ने रोक लिया और टोल अधिकारियों से मुआवजा की मांग करने और टोल पर हंगामा करने लगे। सूचना मिलते ही भारी तादात में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घंटों तक हंगामा होता रहा बाद में टोल अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जो भी नियम अनुसार मुआवजा होगा वह दिया जाएगा। टोल कर्मचारी कालीचरण ने बताया कि टोल अधिकारी कर्मचारियों की तरफ कोई ध्यान नहीं देते है।

# छठ महापर्व पर महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया

## यूपी के शहरों में बेदी तैयार, महिलाओं ने भगवान को अर्घ देकर शाम का पूजन शुरू किया

**लखनऊ।** छठ महापर्व नहाय-खाय के बाद शुरू हो गई है। आज खरना पूजा के बाद से 36 घंटे का व्रत शुरू हो जाएगा। वहीं रविवार को नदियों और तालाबों के घाटों पर छठी माता की आराधना करने के लिए चिह्नित स्थान की गोबर से लिपाई की और पूजा की बेदी बनाई गई। रंगोली से घाट सजाए गए। जबकि वाराणसी कैंट स्टेशन पर छठ के गीत गूंजे। कानपुर में घाट किनारे करीब 1 हजार के ऊपर वेदियां बनी हैं। वहीं शाम के समय काशी के घाट पर महिलाएं पहुंची और वेदी की पूजा की और एक-दूसरे को सिंदूर लगाया। 4 दिनों तक चलने वाले इस पर्व में ना पंडित होते हैं और ना मंत्र। इसमें डूबते और उगते दोनों सूर्य को प्रणाम किया जाता है। गरीब हो या अमीर, अगड़ा हो या पिछड़ा, यह पर्व हमें सबको बराबर का बना देता है। सब एक ही घाट और तलाब किनारे सटकर सूर्य को अर्घ्य देते हैं। तब ना कोई छोटा होता है ना बड़ा। प्रसाद बिना भेदभाव के सब एक-दूसरे का खाते और खिलाते हैं। प्रसाद में वो सब होता है, जिसका सीजन अभी है। जो सबको इजली मिल जाता है। जैसे- ठेकुआ, केला, सिंघाड़ा, नाशपाती, सेब, डाभ नींबू, शरीफा, शकरकंद, सुथनी, मूली, अदरक और हल्दी का हरा पौधा। आस्था ऐसी कि बिना बोले हर कोई जो मिला वही काम करता है। कोई सड़क पर झाड़ू लगा रहा है तो कोई घाट की सफाई। कोई रंगाई-पोताई। पहला दिन- नहाय खाय। जिसमें घर की सफाई, फिर स्नान और शाकाहारी भोजन से व्रत की शुरूआत होती है। दूसरा दिन- व्रती दिनभर उपवास रखने के बाद शाम को भोजन करते हैं। इसे खरना कहा जाता है। तीसरा दिन- छठ का प्रसाद बनाता है। प्रसाद में ठेकुआ, चावल के लड्डू और चढ़ावे के रूप में फल आदि होता है। शाम को बांस की टोकरी में अर्घ्य का सूप सजाया जाता है और तालाब या नदी किनारे डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। चौथा दिन- कार्तिक शुक्ल सप्तमी को उगते सूरज को अर्घ्य दिया जाता है। व्रतधारी दोबारा वहीं जाते हैं, जहां शाम को अर्घ्य दिया था।स्कंद पुराण के मुताबिक, राजा प्रियव्रत (मनु के पुत्र) को कोई संतान नहीं था। उन्होंने महर्षि कश्यप से वरदान मांगा। ऋषि के यज्ञ से उन्हें एक बेटा हुआ, लेकिन उसमें जान नहीं थी। इससे दुखी राजा-रानी आत्महत्या की सोचने लगे। तभी एक देवी प्रकट हुईं। उन्होंने कहा, 'मैं उषा की ज्येष्ठा बहन षष्ठी देवी हूं, बच्चों की रक्षा मेरी जिम्मेदारी है। यदि तुम मेरी विधि से पूजा करोगे तो तुम्हें संतान सुख मिलेगा।' राजा-रानी ने देवी की पूजा की और बेटे का जन्म हुआ। इसके बाद से इस पूजा की शुरूआत हो गई। ऋग्वेद में लिखा गया है कि सूर्य और उसकी किरणों की आराधना से शरीर और मन दोनों शुद्ध होते हैं। मोदी सरकार ने छठ को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल कराने की पहल की है। पुलिस एवं जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों ने एक साथ नमो घाट से सामने घाट तक का निरीक्षण किया।

सभी कर्मियों को नोट किया गया। अगले 12 घंटे में सभी व्यवस्थाओं को ठीक करने का निर्देश दिया गया। पूरे उत्तर भारत में श्रद्धा और भक्ति के रंग में डूबे इस पर्व की रौनक काशी के घाटों पर भी देखने को मिल रही है। काशी में बिहार की लोक संस्कृति की छाप साफ नजर आ रही है। वहीं, कुछ कलाकार और स्थानीय गायक पारंपरिक भक्ति गीतों के साथ राजनीतिक छठ गीत भी प्रस्तुत कर रहे हैं। जिससे घाटों का माहौल और भी जीवंत हो गया है। वाराणसी के सामने घाट पर अलग ही नजारा देखने को मिला है। यहां RSS, KGF, VIP, UPP लिखकर लोगों ने बेदी की जगह छेकी। काशी के एक परिवार में छठी मैया के लिए पारंपरिक रूप से प्रसाद बना रहीं महिलाओं ने बताया कि 40 वर्षों से वह इस व्रत को कर रहीं हैं। इस पर्व में बेंगलुरु, मुंबई और देश के अलग-अलग शहरों में रहने वाले परिवार के सदस्य एक साथ इकट्ठा होते हैं। उन्हें इस दिन का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस दौरान परिवार में चार पीढ़ियां एक साथ बैठकर छठ पर्व की तैयारी करते हुए नजर आईं। वाराणसी में अस्सी घाट पर महिलाओं ने सूर्य भगवान को अर्घ दिया। इसी के साथ शाम का पूजन शुरू किया। असि घाट पर महिलाओं ने गंगा स्नान किया। फिर एक-दूसरे को सिंदूर लगाया। इसके बाद सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर पूजा की। काशी गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के लिए व्रती महिलाएं पहुंची। स्नान करने के बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया। सोनू यादव ने कहा- इस पर्व पर सूर्य देव का भी बहुत महत्व है तो हम लोग घाट किनारे जो वेदी बनाते है उसमें सूर्य देव का भी वास होता है। घाट किनारे करीब 1 हजार के ऊपर वेदियां बनी हैं। दिल्ली से पटना जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में भी छठ महापर्व के गीत गूंज उठे। शनिवार को यात्रियों को छठ की पारंपरिक धुनों पर यात्रा करने का आनंद प्राप्त हुआ। वाराणसी और कई अन्य शहरों के बाजारों में फल, सब्जियां और पूजा सामग्री की खरीदारी के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है। काशी के अस्सी घाट पर छठी माता की आराधना करने के लिए चिह्नित स्थान की गोबर से लिपाई की गई। साथ ही पूजा की बेदी भी बनाई गई।

## संक्षिप्त समाचार

### कॉलेज परिसर में छह मंचों पर विभिन्न इवेंट्स का होगा आयोजन

**फरीदाबाद-झज्जर जोन का जोनल यूथ फेस्टिवल तीन से पांच नवंबर तक आयोजित किया जाएगा**

**फरीदाबाद, (एजेंसी)।** एमडी विश्वविद्यालय रोहतक के फरीदाबाद-झज्जर जोन का जोनल यूथ फेस्टिवल तीन से पांच नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस बार फेस्टिवल की मेजबानी पलवल के सरस्वती महिला कॉलेज को सौंपी गई है। शुक्रवार को कॉलेज में आयोजित मीटिंग में तारीखों को अंतिम रूप दिया गया। कॉलेज परिसर में छह मंचों पर विभिन्न इवेंट्स का आयोजन किया जाएगा। बैठक में फरीदाबाद, पलवल और झज्जर जिले के करीब 37 कॉलेजों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

फेस्टिवल के लिए पहले से प्रस्तावित तीन से पांच नवंबर की तारीख को ही फाइनल किया गया है। तीन दिन चलने वाले इस यूथ फेस्टिवल में कुल 45 इवेंट्स होंगे। इनमें थियेटर, नृत्य, डिबेट, पोस्टर, मेहंदी, रंगोली, फोटोग्राफी, भजन, गजल, संगीत, फाइन आर्ट और लिटरेरी से संबंधित प्रतियोगिताएं शामिल रहेंगी। तीन और चार तारीख को छह मंचों पर और पांच तारीख को चार मंचों पर इवेंट्स का आयोजन होगा।

### कॉलेजों को जल्द ही कराना होगा रजिस्ट्रेशन

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कॉलेजों को जल्द ही अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा और यह बताना होगा कि वे किन इवेंट्स में हिस्सा लेंगे। इसके बाद यूनिवर्सिटी की ओर से प्रस्तुति क्रम तय किया जाएगा। डॉ. प्रताप राठी ने कहा कि यूथ फेस्टिवल छात्रों की प्रतिभा को निखारने का एक सशक्त मंच है। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक कॉलेज और विद्यार्थी इससे जुड़ें। प्रिंसिपल डॉ. वंदना त्यागी ने कहा कि कॉलेज फेस्टिवल को सफल और यादगार बनाने के लिए पूरी तैयारी करेगा।

### खाते में जल्द आएगी छात्रवृत्ति की राशि

**फरीदाबाद, (एजेंसी)।** जिले के राजकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों को जल्द ही छात्रवृत्ति की राशि मिल जाएगी। प्रशासन ने जिला शिक्षा कार्यालय को आदेश जारी कर दिया है। आदेशों में सभी विभागों को आपसी तालमेल मजबूत करने को कहा गया है।आदेश के अनुसार, अब से दाखिले के समय ही छात्रों को छात्रवृत्ति की जानकारी दी जाएगी।

पात्र विद्यार्थियों के बैंक खातों को आधार से लिंक किया जाएगा ताकि उनको किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। अधिकारियों ने बताया कि छात्रवृत्ति का 40 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार और 60 प्रतिशत केंद्र सरकार का होता है।

मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने छात्रवृत्ति के बारे में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्यान विशेष रूप से युवाओं के कौशल विकास पर केंद्रित है। हरियाणा सरकार भी अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के युवाओं के कौशल विकास पर जोर दे रही है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। कोई भी मेधावी या जरूरतमंद छात्र आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई न छोड़े। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि सभी राजकीय विद्यालय में सूचना बोर्ड लगाया जाए, जिस पर छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में लिखी हो। इससे छात्रों को सुविधा होगी।

### अंडर-11 के मुकाबले तीन नवंबर से शुरू होने की उम्मीद

**फरीदाबाद, (एजेंसी)।** विभिन्न जिलों में खेले जा रहे स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राज्य स्तरीय खेलों में अब बारी अंडर-11 आयुवर्ग के खिलाड़ियों के खेलों की है, जो कि तीन नवंबर से शुरू हो सकते हैं। हालांकि, इस पर आधिकारिक मोहर लगना अभी तक बाकी है। जिला खेल शिक्षा अधिकारी ने बताया कि आगामी अंडर-11 के सांस्कृतिक व अन्य खेलों की शुरुआत तीन नवंबर से होने की उम्मीद है। इनमें विभिन्न खेलों में जिले की कई सारे खिलाड़ी दम दिखाते हुए नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि खेलों की तारीखों को लेकर शिक्षा विभाग की ओर से आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी है।

अधिकारियों ने बताया कि सभी खिलाड़ियों के लगभग सभी दस्तावेज जमा हो चुके हैं। अब सिर्फ मुकाबले की तारीखों का ऐलान होना बाकी है।

### दाखिला लेने का आखिरी मौका कल

**फरीदाबाद, (एजेंसी)।** स्नातक और स्नातकोत्तर में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए पोर्टल को तीसरी बार खोला गया था। पंजीकरण कराने की 27 अक्तूबर आखिरी तारीख है। पत्र के अनुसार, 27 अक्तूबर रात 11:59 बजे तक पोर्टल खुला रहेगा। इस दौरान सभी सरकारी, सहायता प्राप्त निजी और स्व-वित्त पोषित कॉलेजों के विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। कई कॉलेजों में सीटें खाली होने के कारण कॉलेज प्रशासन ने पोर्टल को दोबारा खोलने की मांग की थी। कॉलेज प्रशासन खाली सीटें भरने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। छात्रों से अपील की गई है कि वे अंतिम तिथि यानी आज ही पोर्टल पर जाकर पंजीकरण कर लें और आवश्यक दस्तावेजों के साथ कॉलेज में रिपोर्ट करें। इसके बाद दाखिले की प्रक्रिया बंद कर दी जाएगी। इसके लिए पत्र जारी कर विद्यार्थियों को समय से दाखिला लेने का अपील की है।

### आईटीआई में पांच नवंबर तक होंगे ऑन द स्पॉट दाखिले

**गुरुग्राम/फरीदाबाद।** हरियाणा विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने सत्र 2025-26 के लिए सभी राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में दाखिले का अंतिम अवसर प्रदान किया है। विभाग की ओर से जारी नोटिस के अनुसार 5 नवंबर तक ऑन द स्पॉट दाखिले होंगे। अभ्यर्थी पांच नवंबर तक दोपहर 12 बजे तक नए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। दाखिला पुराने और नए दोनों प्रकार के आवेदनों की संयुक्त सूची के आधार पर किया जाएगा। संस्थान स्तर पर मेरिट के अनुसार दाखिला सुनिश्चित किया जाएगा और किसी प्रकार का आरक्षण शुल्क नहीं लिया जाएगा। चयनित अभ्यार्थियों को पांच नवंबर दोपहर 12 बजे तक अपने, मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना अनिवार्य होगा। दाखिले से संबंधित सभी जानकारी और रिक्त सीटों की संख्या विभाग की वेबसाइट और दाखिला पोर्टल पर देखी जा सकती है।

### दौलताबाद क्षेत्र में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

**गुरुग्राम।** वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार नगर निगम गुरुग्राम की प्रवर्तन विंग ने पुलिस विभाग और संबंधित क्षेत्रीय स्टाफ के साथ मिलकर दौलताबाद क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान निगम भूमि पर किए गए अवैध कब्जों और बिना अनुमति बनाए गए ढांचों को हटाया गया। अभियान के दौरान निगम टीम ने मौके पर मौजूद अतिक्रमणकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगम अधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना और क्षेत्र में सुगम आवागमन सुनिश्चित करना है।

### हैंडबॉल की टीम के लिए ट्रायल आज

**गुरुग्राम।** हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन की ओर से 27वें हरियाणा राज्य ओलंपिक गेम्स 2025 का आयोजन दो नवंबर से आठ नवंबर 2025 तक किया जाएगा। खिलाड़ियों ने इसको लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी हैं।

इसी क्रम में हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि गुरुग्राम जिले की हैंडबॉल टीम प्रतियोगिता में भाग लेगी। हैंडबॉल टीम के चयन के लिए पुरुष व महिला खिलाड़ियों का सेलेक्शन ट्रायल आगामी 26 अक्तूबर यानी आज आयोजित किया जाएगा। खेल विभाग ने सभी खिलाड़ियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर ट्रायल में भाग लें।

# 350 वें शहीदी दिवस पर 1 से 25 नवंबर तक होंगे कार्यक्रमः सैनी

**25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन**

### मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर की समीक्षा बैठक

**नई दिल्ली। ब्यूरो**

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को पूरे प्रदेश में गरिमापूर्ण तरीके के साथ मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में 1 नवंबर से 25 नवंबर तक प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम भव्य तरीके से आयोजित किए जाएंगे। 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री आज यहां कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। सभी उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, त्याग और शिक्षाओं से प्रेरणा प्राप्त करने हेतु आयोजित सभी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक स्कूली विद्यार्थियों और नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि 1 नवंबर को पंचकूला में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। 3 नवंबर को विद्यालयों में श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन और शिक्षाओं पर हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी और संस्कृत में निबंध प्रतियोगिता आयोजित होंगी, जिसमें 3.5 लाख से अधिक विद्यार्थी भाग लेंगे।

इसी कड़ी में, 8 नवंबर को रोडी (जिला सिरसा) से श्री गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित विशेष यात्रा निकली जाएगी। इसी दिन चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा में श्री गुरु तेग बहादुर जी, भाई सतीदास जी, भाई मतिदास जी, भाई दयाला जी और भाई जैता जी के जीवन पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन होगा।

बैठक में बताया गया कि 9 नवंबर को करनाल में हिंद दी चादर थीम पर मैराथन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। 11 नवंबर को पिंजौर के मारूवाला से एक और यात्रा प्रारंभ होगी। 14 नवंबर को फरीदाबाद से भी यात्रा प्रारंभ होगी और इसके बाद सोनीपत जिले के गांव बड़खालसा में दादा कुशल सिंह दाहिया के जीवन को समर्पित कार्यक्रम आयोजित होगा।

18 नवंबर को मुख्यमंत्री द्वारा यमुनानगर जिले के कालेसर में श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर एक उद्यान का शिलान्यास भी किया जायगा।

कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र में सर्व-धर्म सम्मेलन आयोजित होगा। 25 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के समापन अवसर पर कुरुक्षेत्र में भव्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कार्यक्रमों में प्रबुद्धजनों, गांवों के सरपंचों, संतों, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों एवं गुरुद्वारा प्रबंधक समितियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि अधिकाधिक लोग इन पवित्र कार्यक्रमों से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रम पूरी श्रद्धा, मर्यादा और सम्मान के साथ आयोजित किए जाएं।

**'सरदार@150 यूनिटी मार्च' के अंतर्गत पदयात्राओं का होगा आयोजन**

मुख्यमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को समर्पित दो माह राष्ट्रव्यापी पहल 'स्टैच्यू@150 यूनिटी4 स्टैच्यू' की तैयारियों की भी समीक्षा की। इस अभियान के अंतर्गत 31 अक्तूबर 2025 को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर पूरे हरियाणा में जिला स्तर पर पदयात्राओं का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 26 नवंबर से 6 दिसंबर 2025 तक 10 दिवसीय राष्ट्रीय पदयात्रा 'स्टैच्यू@150 यूनिटी4 स्टैच्यू' आयोजित होगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन कार्यक्रमों से पहले जिले, वार्ड और गांव स्तर पर स्वच्छता अभियान भी चलाया जाए।इस पहल का उद्देश्य 'एक भारत, आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को मजबूत करना है, जो सरदार पटेल की एकजुट और सशक्त भारत की कल्पना को प्रतिबिंबित करता है।

**'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने का भी होगा उत्सव**

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हरियाणा में प्रस्तावित कार्यक्रमों की कार्ययोजना की भी समीक्षा की।

स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों से युवाओं और विद्यार्थियों को जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वर्ष 2025 में 'वंदे मातरम' की रचना को 150 वर्ष पूरे होंगे और केंद्र सरकार द्वारा नवंबर 2025 से राष्ट्रव्यापी समारोह आयोजित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत हरियाणा के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, संगोष्ठी, निबंध प्रतियोगिता और राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन के कार्यक्रम आयोजित होंगे।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, डीजीपी ओ.पी. सिंह, उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक श्री के.एम. पांडुरंग, अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) श्रीमती वर्षा खांगवाल, मुख्यमंत्री के ओएसडी प्रभलीन सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

# सरकार किसानों की फसल का हर दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

### धान-बाजरा खरीद में धोखाधड़ी पर होगी एफआईआर, दूसरे राज्य से धान की अवैध एंट्री पर सरकार सख्त

### अब तक 52.18 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद, 10,204 करोड़ रुपये किसानों के खाते में ट्रांसफर

### मंडियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री ने की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

**नई दिल्ली। ब्यूरो**

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर किसान हित में कार्य कर रही है। प्रदेश में इन दिनों धान और बाजरे की फसल की खरीद का कार्य चल रहा है, लेकिन खरीद की आड़ में सरकार के साथ धोखाधड़ी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री आज यहां धान और बाजरा खरीद प्रक्रिया की पारदर्शिता और सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सभी जिला उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक भी ऑनलाइन जुड़े। बैठक में धान-बाजरा खरीद से जुड़ी व्यवस्थाओं, मंडियों की स्थिति, किसानों की शिकायतों और ई-खरीद प्रणाली की समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए कि नई अनाज मंडी, कनीना और अनाज मंडी, कोसली में ई-खरीद पोर्टल और मार्केट कमेटी के एच-रजिस्टर की ऑक्शन में अंतर पाए जाने तथा गेट पास जारी करने की प्रक्रिया में अनियमितताएं मिलने के मामले में जिन कर्मचारियों और अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है, उन पर एफआईआर भी करवाई जाएं।

**52.18 लाख मीट्रिक टन की खरीद हो चुकी**

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार का संकल्प स्पष्ट है, किसानों की मेहनत की कमाई की रक्षा करना और उनकी उपज का एक-एक दाना खरीदना है। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रदेश में धान की खरीद 22 अक्टूबर से प्रारंभ हुई है और अब तक अधिकांश मंडियों में खरीद सुचारू रूप से जारी है।

अब तक राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा 2.66 लाख किसानों से लगभग 52.18 लाख मीट्रिक टन की खरीद हो चुकी है। किसानों के खाते में 10,204.98 करोड़ रुपये ट्रांसफर भी कर दिए गए है। राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा 291.10 मीट्रिक टन तथा निजी व्यापारियों द्वारा 3.99 लाख मीट्रिक टन बाजरे की खरीद की गई है।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि कुछ स्थानों से बाहरी राज्यों से धान की आमद और गेट पास स्कैनिंग में अनियमितताओं की शिकायतें मिली हैं, जिन पर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र तथा कैथल में खरीद किए गए धान की मिलिंग के लिए जिन राईस मिलों को धान आबंटित किया गया है, उनकी फिजिकल वेरिफिकेशन की जा रही है।

**मुख्यमंत्री ने दिए सख्त निर्देश, चैकिंग के लिए नाकेबंदी होगी**

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मंडियों में तकनीकी स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि गेट पास स्कैनिंग और फिजिकल वेरिफिकेशन की प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि केवल मंडी के निर्धारित दायरे में ही गेट पास स्कैन किया जाएगा। जिन मंडियों में गेट पास स्कैन सिस्टम का दुरुपयोग हुआ है, वहां संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों की पहचान करके विस्तृत रिपोर्ट दी जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ एफआईआर भी दर्ज की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दूसरे राज्यों से आने वाले धान की अवैध एंट्री को हर कीमत पर रोका जाए। इसके लिए सभी सीमावर्ती जिलों में पुलिस को नाकेबंदी के सख्त निर्देश जारी किए गए।

**अधिकारी भी अपने क्षेत्र में करे जांच**

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारी खुद मंडियों का नियमित दौरा करें और किसानों से संवाद स्थापित करें। जिन राईस मिलों को धान आबंटित किया गया है, उनकी फिजिकल वेरिफिकेशन समय समय पर की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या भ्रष्टाचार पाए जाने पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, डीजीपी श्री ओपी सिंह, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के निदेशक श्री अंशज सिंह सहित अन्य उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

### सोहना के खेल स्टेडियम में बनाया छठ के लिए घाट

**सोहना।** सोहना कस्बे में छठ पर्व की तैयारियां शुरू हो गई हैं और इसका आयोजन ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम में होगा। इसके लिए अस्थायी घाट का निर्माण किया गया है, जिसकी अनुमति प्रशासन ने दे दी है। सोमवार को मनाए जाने वाले छठ पर्व का कार्यक्रम ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम में आयोजित होगा। स्टेडियम में उगते व ढलते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए अस्थायी घाट का निर्माण किया गया है। इसमें टैंकरों के जरिये पानी भरा जाएगा। इसके अलावा, छठ पूजा में उपयोग होने वाली सामग्री की दुकानें भी लगनी शुरू हो गई हैं। छठ पर्व पर व्रत रखने वालों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। पर्व के चलते स्टेडियम के आसपास भीड़ बढ़ने लगी है।

### रुपये नहीं लौटाए तो व्यक्ति पर किया हमला, जातिसूचक शब्द भी कहे

**गुरुग्राम।** रुपये नहीं लौटाने के मामले की रंजिश में एक व्यक्ति से मारपीट करने, गाड़ी की टक्कर मारने व जातिसूचक शब्द बोलने पर तीन आरोपियों को पुलिस ने काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शनिवार को बताया कि आरोपियों के खिलाफ सोहना थाना शहर में केस दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार किया गया है।जानकारी के अनुसार 23 अक्टूबर 2025 को पुलिस थाना शहर सोहना को एक व्यक्ति को झगड़े में लगी चोटों की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस ने पीड़ित से संपर्क किया। अस्पताल में भर्ती पीड़ित के बयान दर्ज किए गए। मारपीट में घायल हुए पीड़ित नरेश ने पुलिस टीम को बताया कि वह 23 अक्टूबर को तहसील से निकलकर अपनी स्कूटी से घर जाने लगा। इसी बीच पीछे से एक स्कॉर्पियो गाड़ी आई। स्कॉर्पियो चालक ने उसे पीछे से गाड़ी की टक्कर मारी। गाड़ी में से दो व्यक्ति संतु, दिनेश के अलावा दो अन्य लोग उतरे। उन्होंने उसे जातिसूचक शब्द बोलते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। उनके पास बेसबॉल के डंडे भी थे। उनसे मारपीट करने के बाद उसे जान से मारने की धमकी दे गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके उनकी तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने इस घटना को अंजाम देने के तीन आरोपियों सतबीर उर्फ संतु, मोनू, दिनेश निवासी सांप की नंगली जिला गुरुग्राम को शनिवार को काबू किया। उन्हें सोहना ढाणी मोड़ से पकड़ा गया है। आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि सतबीर उर्फ संतु गुरुग्राम में प्रॉपर्टी डीलर का काम करता है। उसका नरेश के साथ पैसों का लेन-देन था। नरेश आरोपी सतबीर उर्फ संतु के डेढ़ लाख रुपये नहीं लौटा रहा। इस कारण सतबीर उर्फ संतु ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया। आरोपियों के अपराधिक रिकॉर्ड की जांच से पता चला है कि सतबीर उर्फ संतु के खिलाफ जुआ अधिनियम में पांच केस व मारपीट का एक केस दर्ज है। आरोपी मोनू के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत दो केस गुरुग्राम में दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश करके दो दिन के रिमांड पर लिया गया है।

### हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने पकड़ा लाखों का नशीला पदार्थ

गुरुग्राम, 25 अक्टूबर (वेब वार्ता)। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने शनिवार को एक नशा तस्कर को काबू करके उसके कब्जे से लाखों रुपये का नशीला पदार्थ एमडीएमए पकड़ा। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शनिवार को बताया कि आरोपी को द्वारका एक्सप्रेस-वे पर हरसरू चौक के पास से काबू किया गया है।थाना सेक्टर-10 क्षेत्र में गश्त के दौरान एसआई सुरेन्द्र और उनकी टीम को मुखबिर से तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने रणनीतिक ढंग से संदिग्ध को पकड़ने की तैयारी की। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे हरसरू चौक के निकट से काबू किया। आरोपी की पहचान सचिन पुत्र नरेश के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से 13.05 ग्राम नशीला पदार्थ एमडीएमए और एक कार को बरामद किया

**किसानों में गन्ने के रेट बढ़ाने को लेकर खुशी की लहर**

# मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का किसान मोर्चा व गन्ना उत्पादक किसानों ने किया धन्यवाद

**नई दिल्ली। ब्यूरो**

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का चंडीगढ़ में गन्ना किसान गन्ने का भाव बढ़ाने पर

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा हाल ही में गन्ने के रेट में बढ़ोतरी किए जाने के फैसले को लेकर किसानों में अपार हर्ष का माहौल है। विशेष रूप से गन्ना बाहुल्य जिलों के किसानों और किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने इसे मुख्यमंत्री की ओर से किसानों को दिवाली का तोहफा बताया है।

किसानों और किसान मोर्चा के सदस्यों द्वारा प्रतिदिन मुख्यमंत्री निवास, संत कबीर कुटीर, पर पहुंचकर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया जा रहा है। किसान मुख्यमंत्री को गन्ने की पुली भेंट कर अपनी खुशी और कृतज्ञता प्रकट कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जो स्वयं कृषक पृष्ठ भूमि से हैं और हमेशा किसानों के हितों के लिए तत्पर रहते हैं। अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होते ही किसान हित में बड़ा निर्णय लेते हुए गन्ने के राज्य सलाहकार मूल्य (एसएपी) में 15 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है।

अब हरियाणा में गन्ने की अगेती किस्म का मूल्य 400 रुपये से बढ़ाकर 415 रुपये प्रति क्विंटल तथा पछेती किस्म का मूल्य 393 रुपये से बढ़ाकर 408 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। यह फैसला न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करने वालों में कैथल और करनाल जिलों के किसान मोर्चा के सदस्य एवं महिला गन्ना उत्पादक किसान भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। किसानों ने कहा कि यह निर्णय राज्य के गन्ना उत्पादक किसानों के लिए नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती सहित राजबाला चहल, सुनील वत्स, दिनेश पुजार, विनोद गोन्दर, राजबीर चौहान, मनदीप विर्क, सुभाष हजवाना, संजय सैनी अन्य किसान मोर्चा कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री निवास पर डेलिगेशन की भेंट करने हेतु पहुँचे।

# हवा को जहर बनाता दिल्ली का आत्मघाती प्रदूषण

ललित गर्ग

**प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर चल रहे लाखों वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, खुले में कचरा जलाना और जनसंख्या का दबाव इस संकट को और गहरा करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली अब 'विकास' के नाम पर अपने ही अस्तित्व को निगलने लगी है। इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के पटाखों ने प्रदूषण का चरम स्तर पर पहुंचा दिया है।**

दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण एक बार फिर दुनिया की नजरों में भारत की राजधानी को शर्मसार कर रहा है। कभी संस्कृति, ऊर्जा और प्रगति की पहचान रही दिल्ली आज धुएं और धूल की चादर में लिपटी दिखाई देती है। हवा में घुला जहर इस हद तक बढ़ चुका है कि सांस लेना भी एक जोखिम बन गया है। हाल ही में दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 345 के खतरनाक स्तर तक पहुंच गया जो 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में आता है। यह स्थिति न केवल दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है बल्कि यह भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार दोनों के लिए गहन चिंतन का विषय भी है। प्रश्न यह है कि क्यों हर वर्ष अक्टूबर-नवंबर में दिल्ली का आसमान धुंधला हो जाता है और जीवन दम घोंटने लगता है। इसका उत्तर जटिल है क्योंकि इसके लिए सरकार, समाज और व्यक्ति सभी जिम्मेदार हैं। दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में होना हमारे विकास के मॉडल पर एक गंभीर टिप्पणी है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। यह स्थिति अन्य अनेक असाध्य रोगों का भी कारण बनती है।

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर चल रहे लाखों वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, खुले में कचरा जलाना और जनसंख्या का दबाव इस संकट को और गहरा करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली अब 'विकास' के नाम पर अपने ही अस्तित्व को निगलने लगी है। इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के पटाखों ने प्रदूषण का चरम स्तर पर पहुंचा दिया है। भले ही कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है।

दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है।

फिर भी यह कहना भी उचित नहीं कि सरकारें कुछ नहीं कर रहीं। केंद्र और राज्य सरकारों ने पिछले वर्षों में कई योजनाएँ शुरू की हैं। रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनने एवं भाजपा की सरकार बनने के बाद इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के उपक्रम हो रहे हैं। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) लागू किया गया, जिसके अंतर्गत प्रदूषण के स्तर के अनुसार चरणबद्ध नियंत्रण उपाय किए जाते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी दी गई, हजारों ई-बसें चलाई गईं, स्मॉग टावर लगाए गए और 'ग्रीन दिल्ली ऐप' के माध्यम से शिकायतों के समाधान की व्यवस्था की गई। पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए किसानों को वैकल्पिक मशीनें उपलब्ध कराई गईं और सब्सिडी दी गई। इन प्रयासों से कुछ हद तक राहत तो मिली, परंतु समस्या की जड़ अब भी जस की तस है क्योंकि यह समस्या केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक भी है।

हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दशार्ता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरूआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है।

प्रदूषण बढ़ाने के अनेक कारण कठोर कानून के बावजूद यत्र-तत्र पसरे हैं। लोग अब भी खुले में कचरा जलाते हैं, अपने घरों और दुकानों के बाहर धूल फैलाते हैं, पुराने वाहनों का उपयोग जारी रखते हैं। हरियाली घटती जा रही है, वृक्ष कट रहे हैं और नए पौधे लगाने की परंपरा खत्म होती जा रही है। यह लापरवाही केवल सरकार पर दोष डालने से नहीं मिटेगी, बल्कि इसके लिए नागरिक चेतना की आवश्यकता है। यह सच है कि सरकार कानून बना सकती है, नियम लागू कर सकती है, परंतु जब तक जनता अपनी आदतें नहीं बदलेगी तब तक प्रदूषण पर काबू पाना असंभव है। यदि हम अन्य महानगरों से तुलना करें तो दिल्ली की स्थिति सबसे दयनीय है। मुंबई, बेंगलुरु या कोलकाता की तुलना में यहाँ प्रदूषण का स्तर दोगुना से भी अधिक है। इसका कारण यह है कि दिल्ली न केवल स्थानीय प्रदूषण झेलती है बल्कि पड़ोसी राज्यों के प्रभाव में भी आती है। इसलिए समाधान भी क्षेत्रीय स्तर पर ही संभव है। केंद्र सरकार को राज्यों के बीच समन्वय स्थापित कर स्थायी नीति बनानी होगी ताकि पराली प्रबंधन, निर्माण नियंत्रण, औद्योगिक उत्सर्जन और वाहनों की नीति पर एकरूपता लाई जा सके।

इस समय आवश्यकता है कि प्रदूषण को सिर्फ मौसमी समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय आपदा के रूप में देखा जाए। जनता में पर्यावरणीय चेतना को विद्यालयों, संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से फैलाया जाए। हर कॉलोनी में 'ग्रीन जोन' विकसित हों, शहरी वनों का निर्माण हो, और हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ लगाने का संकल्प ले। सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए और पुराने डीजल वाहनों को सख्ती से हटाया जाए। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। दिल्ली का यह प्रदूषण दरअसल हमारे विकास मॉडल की असफलता का आईना है, जहाँ हमने सुविधाओं को तो बढ़ाया पर जीवन की मूलभूत आवश्यकता-स्वच्छ हवा को खो दिया। यह केवल सरकार की विफलता नहीं बल्कि समाज की सामूहिक असंवेदनशीलता का भी परिणाम है। यदि अब भी हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाली पीढ़ियाँ स्वच्छ हवा को केवल इतिहास की किताबों में पढ़ेंगी। अब समय है कि हम राजनीति, दोषारोपण और उदासीनता से ऊपर उठकर सांस लेने के अधिकार के लिए एकजुट हों। क्योंकि प्रकृति का शोषण नहीं, संरक्षण ही सभ्यता की पहचान है और यदि हमने हवा को जहर बना दिया तो हमारे सारे विकास के प्रतीक बेमानी हो जाएंगे। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जब तक लोगों को यह अहसास नहीं होगा कि त्योहार के नाम पर जमकर जहरीले पटाखे छुड़ाना एक आत्मघाती कदम है, तब तक कोर्ट और सरकार के प्रयास विफल ही साबित होंगे। इसके लिए देश के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों को साझी पहल करनी होगी। यह संकट सिर्फ दिल्ली या एनसीआर का नहीं है, मुंबई, कोलकाता आदि अनेक महानगरों के घातक प्रदूषण की चपेट में आने की खबरें हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

## संपादकीय

### देश आपातकाल से पांच दशक आगे

नई वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत के समकाल और देशकाल को देखना खासा दिलचस्प है। समाज, राजनीति और लोकतंत्र की बात करें तो देश आपातकाल से पांच दशक आगे निकल चुका है। यह भी कि इस वर्ष जब आखिरी विधानसभा चुनाव के रूप में बिहार में नई सरकार चुनी जानी है तो जयप्रकाश आंदोलन के भी पचास वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से बिहार इस आंदोलन का एक तरह से एपिक सेंटर था। इन पांच दशकों में जरूर गंगा में बहुत पानी पानी बह चुका है, पर समय के इस बहाव के बीच कुछ चीजें स्थिर भी हुई हैं और वे नई मिसालें और मानदंडों के साथ हमारे समय में लोकनीति और विकास को व्याख्यायित कर रही हैं। इस बात की बड़ी अहमियत है कि जिस बिहार में आकर महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का अमोघ अस्त्र देश-दुनिया को दिया, आज उस सूबे की धरती पर महिलाओं ने एक बड़ी मूक क्रांति को सच कर दिखाया है। यह क्रांति महिला सशक्तीकरण की इकहरी समझ से आगे कई मायनों में सर्व-समावेशी है और इससे इस प्रदेश की महिलाओं के साथ ग्रामीण इलाकों में विकास और बदलाव का एक सर्वथा नया दौर सामने आया है। इस लिहाज से इन दिनों मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की खासी चर्चा है। आकार के लिहाज से यह देश की ऐसी सबसे बड़ी योजना है, जिसने न सिर्फ सामाजिक बदलाव की जमीन को मजबूत किया है, बल्कि इसे महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन का सर्वथा नया दौर शुरू हुआ है। गौरतलब है कि बीते 26 सितंबर को जब यह योजना शुरू हुई तो 75 लाख से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते में दस-दस हजार पए ट्रांसफर किए गए। इसके कुछ ही दिन बाद 25 लाख और महिलाओं को इसमें जोड़ा गया और उनके भी खाते में पैसे पहुंचे। इस तरह 75 लाख का आंकड़ा देखते-देखते एक करोड़ पर पहुंच गया। राज्य क्या देश के स्तर पर पर भी यह संख्या ऐतिहासिक तौर असाधारण है। महिलाओं को यह राशि स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए दी जा रही हैं। वस्तुतः चुनाव से पूर्व होने वाली तमाम तरह की अव्यावहारिक और हवाई घोषणाओं से अलग बिहार सरकार ने कैबिनेट स्तर पर बीते कुछ महीनें में कई अहम फैसले लिए हैं। इस क्रम में जो बड़ा फैसला राज्य सरकार ने किया है, वह है मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना। राज्य सरकार ने इस योजना को प्रदेश की महिलाओं की स्थिति और जरूरत को समझते हुए न सिर्फ फ्रेम किया, बल्कि इसके शीघ्र क्रियान्वयन को लेकर भी वह लगातार गंभीर रही।

## चिंतन-मनन

### स्वस्थ समाज के लिए करें आत्म जागरण

पिछले कुछ समय से अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद का प्रभाव बढ़ा है। इसी वजह से अध्यात्म के क्षेत्र में भी अवमूल्यन हुआ है। अतः स्वस्थ समाज के लिए आत्म जागरण जरूरी है। जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद के अनुसार अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद ने प्रभाव डाला है और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक युग है। इसमें पदार्थ की अधिक इच्छा के कारण व्यक्ति अशांत रहता है। अति योगवाद स्वच्छंद और अनियंत्रित भोगवाद के कारण स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए हर मनुष्य को अनुशासित व संस्कारित होना होगा, तभी वह समाज व सृष्टि के लिए उपयोगी होगा और व्यक्ति को संस्कारित करना ही अध्यात्म का काम है। आज मनुष्य उपभोक्ता बनकर रह गया है। जागो ग्राहक के नारे पर सिर्फ बाहर से जगाया जा रहा है, जबकि आज आवश्यकता है आत्म जागरण की। आध्यात्मिक अनुष्ठान से ही व्यक्ति के अंतर को जगाया जा सकता है। मनुष्य ने जल, वायु और पृथ्वी की निरंतर उपेक्षा से बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। आज पीने लायक जल सिर्फ डेढ़ प्रतिशत बचा है। अगर अब भी मनुष्य नहीं जागा तो जल संकट और बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का काम हो रहा है, ऐसे में अत्यंत प्राचीन काल में बने रामसेतु को भी संरक्षित करना चाहिए। यह धर्म विशेष नहीं बल्कि मानव मात्र की योग्यता और क्षमता का ऐतिहासिक प्रमाण भी है। उत्तरकाण्ड एक ऐसी कथा का वर्णन है जिसमें सभी का निचोड़ है। जो व्यक्ति अपनी ज्यादा प्रशंसा सुनना पंसद करता है, वह कभी ऊंचाई नहीं छू पाता। यही अवगुण दशानन रावण में भी था। वह अपनी गलती को स्वीकार न करते हुए प्रशांसा सुनने में ज्यादा मन लगाता था। रावण को कई बार उसकी पत्नी मन्दोदरी और भाई विभीषण ने समझाया लेकिन उसे बात समझ नहीं आई। इसीलिए प्रभु श्रीराम के हाथों रावण का का नाश हुआ।

# छठ : आस्था,सेवा और समर्पण का महापर्व

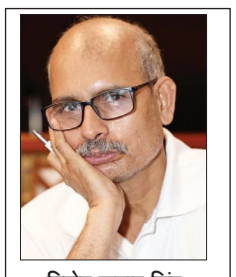

विनोद कुमार सिंह

भारत की संस्कृति और सभ्यता की पहचान उसके पर्व-त्योहारों से होती है।यहां हर पर्व किसी न किसी सामाजिक,आध्यात्मिक,सांस्कृतिक या प्राकृतिक भावना से जुड़ा होता है।छठ महापर्व,जो न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है,बल्कि सेवा, समर्पण,पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला लोकपर्व भी है।यह पर्व उस जनमानस की जीवंत परंपरा है जिसने सूर्य देव और प्रकृति को अपना आराध्य माना और मानव जीवन को उनके अनुग्रह से जोड़ दिया।

छठ पर्व की पृष्ठभूमि-छठ पर्व की परंपरा वैदिक काल से जुड़ी मानी जाती है। ऋग्वेद में सूयोर्पासना के मंत्रों का उल्लेख मिलता है,जहाँ सूर्य को ऊर्जा,आरोग्य और जीवन का स्रोत बताया गया है। रामायण और महाभारत में भी सूर्य पूजन की परंपरा का उल्लेख हैं कि अयोध्या लौटने के बाद जब भगवान श्रीराम और माता सीता ने राज्याभिषेक के उपरांत सूर्य देव की आराधना की, तभी से यह परंपरा लोकजीवन में स्थापित हुई। वहीं दूसरी ओर महाभारत में कुंती द्वारा सूर्य देव की पूजा कर कर्ण की प्राप्ति का प्रसंग भी छठ व्रत की आध्यात्मिक जड़ें बताता है।छठ पूजा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पवित्रता, संयम और निष्ठा का पर्व है।इस पर्व में दिखावे या वैभव का स्थान नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धता औरनिस्वार्थ भावना का वर्चस्व होता है।छठव्रती (मुख्यतः महिलाएं,परंतु पुरुष भी करते हैं)चार दिनों तक कठिन तपस्या के समान नियमों का पालन करती हैं।

1.नहाय-खाय-पहले दिन घर की शुद्धि होती है,व्रती स्नान कर शुद्ध भोजन ग्रहण करती हैं।
2.खरना-दूसरे दिन निर्जला व्रत के बाद सूर्यास्त पर गुड़-चावल की खीर का प्रसाद ग्रहण किया जाता है।
3. संध्या अर्घ्य- तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाता है।
4.उषा अर्घ्य-चौथे दिन उदितमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत की पूणार्हुति होती है।

सेवा और समर्पण की अनूठी व अनोखी मिसाल -छठ पर्व में सेवा का भाव सर्वोच्च होता है।व्रती महिला के चारों ओर पूरा परिवार एक सेवक की तरह जुड़ जाता है। बच्चे, बुजुर्ग,पुरुष,सब किसी न किसी रूप में इस अनुष्ठान के सहयोगी बनते हैं।कोई प्रसाद बनाता है, कोई घाट सजाता है,तो कोई सूप और दौरा तैयार करता है।यह सामूहिकता और सेवा भाव भारतीय परिवार प्रणाली की सबसे सुंदर झलक पेश करता है।

छठ घाट पर सूर्य को अर्घ्य देते समय जब महिलाएं जल में कमर तक डूबी खड़ी होकर ह्यउठे सुगवा धनुष सेह्न या ह्यकांच ही बांस के बहंगियाह्न जैसे लोकगीत गाती हैं,तब लगता है जैसे सम्पूर्ण प्रकृति उनके साथ इस आराधना में सम्मिलित हो गई हो। यह दृश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की चरम अभिव्यक्ति है।

प्रकृति और पर्यावरण से जुड़े रहस्य -छठ पर्व का हर पहलू प्रकृति से गहराई से जुड़ा है।पूजा में प्रयोग होने वाली प्रत्येक सामग्री-गन्ना, केला, नारियल, अदरक, सुथनी, मूली,दीपक,घी,मिट्टी,सूप, डलिया – सब प्रकृति की देन हैं। यही कारण है कि यह पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण और संतुलन का संदेश देता है।

छठ पर्व हमें सिखाता है कि मनुष्य और प्रकृति के बीच संतुलन ही जीवन का आधार है।सूर्य को अर्घ्य देना,जल में खड़े होकर प्रार्थना करना -यह सब प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का प्रतीक है।

सामाजिक एकता और समानता का पर्व-छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह भी है कि यह जाति, धर्म, वर्ग, लिंग या क्षेत्र की सीमाओं से परे है। इस पर्व में सबका स्थान समान है। अमीर-गरीब,ग्रामीण-शहरी,सब एक ही घाट पर खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते हैं।यहाँ न कोई ऊँच-नीच,न कोई भेदभाव - यही तो भारत की असली पहचान है।छठ पर्व ने बिहार और पूर्वांचल की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाई दी है।अब यह केवल बिहार या पूर्वी भारत का पर्व नहीं रहा; यह देश-विदेश में रहने वाले भारतीयों की भावनाओं का प्रतीक बन चुका है।

लोकगीतों में बसती है छठ की आत्मा-छठ पर्व लोकगीतों के बिना अधूरा है।हर अनुष्ठान, हर विधि, हर भावना लोकगीतों के माध्यम से व्यक्त होती है।गीतों में भक्ति, मातृत्व,सेवा,और सामाजिक संवेदना का संगम होता है।महान लोक गायिका शारदा सिन्हा की मधुर आवाज में जब ह्यकेलवा के पात पर, उगेलन सूर्य देवह्न गूंजती है,तो घर-घर में छठ का वातावरण जीवंत हो उठता है।यही गीत छठ पर्व की आत्मा बन जाते हैं नजो न केवल सुनने वाले को भावविभोर करते हैं,बल्कि उसे अपनी जड़ों से जोड़ देते हैं।आज जब लाखों बिहारी और पूर्वांचली लोग देश-विदेश में बसे हैं, तो छठ उनके लिए केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक बन गया है। चाहे वह दिल्ली,मुंबई, कोलकाता,दुबई या न्यूयॉर्क क्यों न हों - प्रवासी बिहारी अपने छोटे से तालाब या कृत्रिम घाट बनाकर छठ मनाते हैं। उनके लिए यह केवल पूजा नहीं, बल्कि घर की याद और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है।छठ महापर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, सेवा, समर्पण और पर्यावरण चेतना का विराट संगम है।यह हमें सिखाता है कि जीवन में तप, संयम और श्रम का कितना महत्व है।यह पर्व नारी शक्ति के धैर्य,श्रद्धा और त्याग की सर्वोच्च मिसाल प्रस्तुत करता है।सूयोर्पासना के माध्यम से यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर अस्त नया उदय लेकर आता है - हर अंधकार के बाद प्रकाश का जन्म होता है।छठ केवल पूजा नहीं, यह प्रकृति,परंपरा और परमात्मा के बीच आत्मिक संवाद है -जो हमें बार-बार अपने मूल की ओर लौटने का संदेश देता है।

नोट -लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार है।

# कार्बाइड गन से भारत में हजारों लोग अंधे?

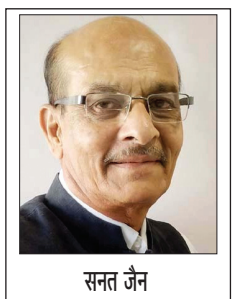

सनत जैन

भारत में तकनीक और नवाचार के नाम पर कई बार ऐसी जीजें प्रचलन में आ जाती हैं जो दिखने में साधारण और बड़े काम की लगती हैं, लेकिन आगे चलकर वो समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाती हैं। 'कार्बाइड गन' इसका ताजा उदाहरण है। मूल रूप से यह गन पक्षियों और जानवरों को भगाने के लिए उपयोग में लाई जातीं थीं। दीपावली के अवसर पर हाल के दिनों में यह गन मासूम बच्चों और आम नागरिकों की जान और आंखों की रोशनी छीनने का कारण बन रही हैं। दीपावली के अवसर पर देशभर में इस कार्बाइड गन को जिस तरह से पटाखे के रूप में उपयोग किया गया है। बच्चों और आम नागरिकों के हाथ में यह गन थी। भीड़भाड़ वाले इलाकों में इसका उपयोग किया गया। उसके कारण दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, सहित कई राज्यों में हजारों लोगों की आंखों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इससे सेकड़ों लोग स्थाई रूप से अंधे हो गए हैं। हजारों लोग अस्पताल में आंखों का इलाज करा रहे हैं। इस कार्बाइड गन को लोगों ने जुगाड़ से भी तैयार किया। जब इसे उपयोग में लाया गया, तो सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। मध्य प्रदेश में हाल ही में हुई कई घटनाओं के बाद सरकार ने इसे घातक घोषित करते हुए, प्रदेश में कार्बाइड गन पर प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस गन को 'घातक विस्फोटक उपकरण' की श्रेणी में रखा गया है। सरकार ने यदि कोई भी व्यक्ति इस गन को बनाता, खरीदता या बेचता है तो उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट 1959, विस्फोटक अधिनियम 1884 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 के तहत कठोर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नियम में जो परिवर्तन किया गया है, उसके बाद कार्बाइड गन बेचने वालों को आसानी से जमानत नहीं मिलेगी। यह सख्त कदम समय की मांग थी। मध्य प्रदेश सरकार ने तत्काल कार्यवाही करते हुए इस पर रोक लगाने का काम किया। कार्बाईड गन से भोपाल, होशंगाबाद, बैतूल और जबलपुर जैसे जिलों में गनों से किए गए विस्फोट के कारण बच्चों की आंखें जलने और किए गए विस्फोट के कारण स्थायी अंधेपन के कई मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में 10 लोगों की आंखें पूरी तरह से खराब हुई है। इनमें से चार लोगों की सर्जरी की गई है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में 150 लोग और पटना के 50 से अधिक लोग इस गन के विस्फोट से घायल हुए हैं। कार्बाइड गन प्लास्टिक के साधारण से पाइप में तैयार हो जाती है। गैस लाइटर, कैल्शियम और कार्बाइड से तैयार कर इसे आसानी से उपयोग में लाया जा सकता है। कार्बाइड का उपयोग फलों को पकाने और औद्योगिक कार्यों के लिए उपयोग में होता है। जो सभी शहरों में आसानी से उपलब्ध है। यह गन 150 रुपए से लेकर 2000 रुपये तक में आसानी से देश भर में उपलब्ध थी। इस बार पटाखों की दुकानो और ऑनलाइन इस गन को बेचा गया है। सोशल मीडिया की इसमें बड़ी भूमिका थी। दीपावली के अवसर पर इसका बड़े पैमाने पर विस्फोटक के रूप में इस्तेमाल किया गया है। प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े और कार्बाइड धुयें के कारण हजारों लोगों की आंखों को नुकसान पहुंचा है। सैकड़ों लोगों की आखों की रोशनी चली गई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर यह खतरनाक गन 1300 से 2500 रुपये में खुलेआम आज भी बिक रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस गन का उपयोग 'खरगोश भगाने वाली गन' या 'काबूम पाइप' जैसे नाम से होता है। सच्चाई यह है, इसमें उपयोग होने वाला कार्बाइड और पानी का मिश्रण गैस विस्फोट पैदा करता है। जो तेज आवाज के साथ खतरनाक आग और दबाव उत्पन्न करता है। जिसका असर काफी दूर तक होता है। इसी विस्फोट से बच्चों और किसानों के गंभीर रूप से झुलसने के कई मामले सामने आए हैं। मध्य प्रदेश सरकार का यह प्रतिबंध सराहनीय है। केवल आदेश जारी करना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है, जमीनी स्तर पर निगरानी रखी जाए। संपूर्ण देश में ऑनलाइन बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। कार्बाइड गन बनाने और इसके उपयोग करने के लिए नियम तैयार किए जाएं। इसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय की बड़ी भूमिका

होगी। पुलिस ओर साइबर टीम को सभी राज्यों में निगरानी के लिए सक्रिय करना होगा। ग्रामीण और शहरी स्कूलों में जन जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताया जाए। यह गन कोई खिलौना या फटाका नहीं है। कार्बाइड गन एक विस्फोटक यंत्र है। भारत को इस तरह के खतरनाक आविष्कारों के खिलाफ सख्त निगरानी रखनी होगी। तकनीक तभी उपयोगी है, जब वह सभी के लिए सुरक्षित हो। वरना जिस तरह से कार्बाइड गन का उपयोग हुआ है, वह मानवता के लिए अभिशाप है। कार्बाइड गन पर प्रतिबंध सिर्फ एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि नागरिक सुरक्षा की दिशा में सरकार का बेहतर निर्णय माना जाएगा। सभी राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को इस मामले में गंभीरता से कार्यवाही करने की जरूरत है।

## भारत 2025-26 में सबसे तेजी से बढ़ती उभरती अर्थव्यवस्था बना रहेगा

**नई दिल्ली** अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपने ताजा रिपोर्ट में कहा है कि भारत 2025-26 में 6.6 फीसदी की वृद्धि दर से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सबसे आगे रहेगा। आईएमएफ ने यह अनुमान भारत की पहली तिमाही में 7.8 फीसदी की मजबूत आर्थिक गतिविधियों को देखते हुए लगाया है, जिसने अमेरिका द्वारा लगाए गए नए आयात शुल्क का असर संतुलित किया। 2026 में वृद्धि दर थोड़ी कम होकर 6.2 फीसदी रहने की संभावना है। 2024-25 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.5 फीसदी रही थी, और सरकार ने 2025-26 के लिए 6.3-6.8 फीसदी का लक्ष्य रखा है। आईएमएफ ने कहा कि 2025 में वैश्विक वृद्धि दर 3.2 फीसदी और 2026 में 3.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जो पिछले पूर्वानुमानों से थोड़ी कम है। मुद्रास्फीति में गिरावट की उम्मीद है, लेकिन अमेरिका में यह अभी भी लक्ष्य से ऊपर रह सकती है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की औसत वृद्धि 1.6 फीसदी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की 4.2 फीसदी रहने की संभावना है।

## ओडिशा सरकार ने 1.46 लाख करोड़ के 33 निवेश प्रस्तावों को दी मंजूरी

**भुवनेश्वर** ओडिशा में मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय मंजूरी प्राधिकरण (एचएलसीए) और मुख्य सचिव मनोज आहूजा की अध्यक्षता में एकल खिड़की मंजूरी समिति (एसएलडब्ल्यूसीए) की बैठक में 33 निवेश प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। एचएलसीए ने 12 प्रस्तावों के लिए 1,41,993.54 करोड़ रुपये का निवेश मंजूर किया, जिससे लगभग 49,745 रोजगार सृजित होंगे। एसएलडब्ल्यूसीए ने 4,019.53 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी, जिससे 16,590 रोजगार की संभावना है। सुंदरगढ़ जिले में 84,000 करोड़ रुपये की अदाणी परियोजना से 36,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री मांझी ने कहा कि यह निवेश ओडिशा की प्रगतिशील नीतियों, तेज़ प्रशासन और निवेश के लिए तैयार माहौल का प्रतीक है।

## 1 नवंबर से जीएसटी पंजीकरण होगा सरल, तीन दिन में मिलेगी मंजूरी

**नई दिल्ली** केंद्र सरकार ने 1 नवंबर से सरलीकृत जीएसटी पंजीकरण प्रणाली लागू करने की घोषणा की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि नई प्रक्रिया के तहत नए आवेदकों को तीन कार्य दिवसों में पंजीकरण मंजूर कर दिया जाएगा। यह सुधार जीएसटी 2.0 के तहत लाया गया है और इसका उद्देश्य पंजीकरण प्रक्रिया को आसान बनाना तथा मानव हस्तक्षेप को कम करना है। नई प्रणाली में पंजीकरण दो प्रकार से स्वचालित होगा। पहला, वे आवेदक जिन्हें सिस्टम द्वारा जोखिम और डेटा विश्लेषण के आधार पर चुना गया है। दूसरा, वे जिन्होंने स्वयं आकलन किया कि उनकी मासिक आउटपुट कर देयता 2.5 लाख रुपए से अधिक नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा कि लगभग 96 प्रतिशत नए आवेदक सीधे इस सरलीकृत प्रक्रिया का लाभ उठा सकेंगे। सीतारमण ने कहा कि अब सरकार का ध्यान नीति निर्माण से क्रियान्वयन की ओर बढ़ रहा है। कर अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे करदाताओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें और कर चोरी के मामलों में सख्ती बनाए रखें। उन्होंने जोर दिया कि सिस्टम को विवेक से नहीं, बल्कि व्यवस्थित रूप से काम करना चाहिए।

## बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार में गिरावट

**नई दिल्ली** बीते सप्ताह सरसों के अे धिक दामों के कारण लिवाली प्रभावित रही। इसके चलते सरसों तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सरसों का पर्याप्त स्टॉक किसानों, स्टॉकिस्ट और सरकार के पास मौजूद है। सरसों दाना 7,000-7,050 रुपये/क्विंटल और सरसों दादरी तेल 14,650 रुपये प्रे ति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन तिलहन का नया एमएसपी 5,328 रुपए प्रे ति क्विंटल है, जबकि हाजिर बाजार 4,000-4,200 रुपए प्रे ति क्विंटल पर। कमजोर बिकवाली के चलते सोयाबीन तिलहन में मामूली सुधार हुआ, लेकिन दाम अभी भी एमएसपी से 20-22 फीसदी नीचे हैं। सोयाबीन तेल में आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली के कारण गिरावट दर्ज हुई। मूंगफली तेल-तिलहन स्थिर रहे। इंडोनेशिया की आयात मांग देखी जा रही है। वहीं मलेशिया में संभावित सट्टेबाजी खत्म होने से पाम-पामोलीन तेल में गिरावट हुई। कपास की आवक बढ़ने से बिनौला तेल के दाम में 200 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गई। सरकार को एमएसपी और तेल संयंत्रों की पेराई क्षमता पर ध्यान देना होगा।

# भारत से यात्री वाहन निर्यात में 18 फीसदी की बढ़त, मारुति सुजुकी सबसे आगे

### वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में 4.45 लाख से अधिक वाहन विदेश भेजे गए

**नई दिल्ली**

चालू वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत से यात्री वाहनों का निर्यात 18.4 प्रतिशत बढ़कर 4,45,884 इकाई हो गया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 3,76,679 इकाई था। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने बताया कि इस वृद्धि के पीछे वैश्विक बाजारों में स्थिर मांग और नए देशों में निर्यात विस्तार की बड़ी भूमिका रही है। मारुति सुजुकी इंडिया इस अवधि में 2,05,763 इकाइयों के निर्यात के साथ शीर्ष स्थान पर रही। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 1,47,063 इकाइयों की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

हुंडई मोटर इंडिया ने 99,540 इकाइयाँ भेजीं, जो 17 प्रतिशत अधिक है, जबकि निसान मोटर इंडिया का निर्यात 33,059 से बढ़कर 37,605 इकाई हो गया। इसके बाद फॉक्सवैगन इंडिया (28,011), टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (18,880), किआ इंडिया (13,666) और होंडा कार्स इंडिया (13,243) का स्थान रहा। वाहन श्रेणियों की बात करें तो, यात्री कारों का निर्यात 12 प्रतिशत बढ़कर 2,29,281 इकाई तक पहुंचा, जबकि यूटिलिटी वाहनों की विदेशी मांग में तेजी से इजाफा हुआ और उनका निर्यात 26 प्रतिशत बढ़कर 2,11,373 इकाई हो गया। वहीं वैन का निर्यात 36.5 प्रतिशत बढ़कर 5,230 इकाई दर्ज किया गया। सियाम ने कहा कि भारत ने इस अवधि में 24 देशों को निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।

## अमेरिका ने रोका रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों को, भारत पर फिलहाल असर सीमित

**नई दिल्ली** अमेरिका ने रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों रोजनेफट और ल्यूकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। हालांकि, रूस का कच्चा तेल खुद सैंक्शंस में शामिल नहीं है। इसका मतलब है कि यदि तेल बेचने वाली कंपनी पर प्रतिबंध नहीं है, तो भारतीय रिफाइनर बिना कानून तोड़े रूस से तेल खरीद सकते हैं। विशेषज्ञों और रिफाइनरी अधिकारियों का मानना है कि इस कदम से भारत-रूस के 69 बिलियन डॉलर के तेल व्यापार पर फिलहाल बड़ा असर नहीं पड़ेगा। दिसंबर डिलीवरी पहले ही तय हो चुकी है, और साल 2025 में भारत को रूस से लगभग 70 फीसदी तेल रोजनेफट` और ल्युकोइल से मिला। हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि जनवरी के बाद सप्लाई प्रभावित हो सकती है। जनवरी 2025 में गैज़प्रोम नेफ्ट और सुरगुतनेफ़्तेगा पर सैंक्शंस लगाए गए थे, जिससे लगभग 1 मिलियन बैरल प्रति दिन उत्पादन प्रभावित हुआ। बावजूद इसके सुरगुतनेफ़्तेगा ने भारत को 1.59 लाख बैरल प्रति दिन सप्लाई की, जो रूस से आने वाले कुल तेल का 9 फीसदी है।

## एलआईसी ने अडानी निवेश पर लग रहे आरोपों का किया खंडन

**नई दिल्ली** भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शनिवार को स्पष्ट किया कि उसके अडानी समूह में निवेश स्वतंत्र और बोर्ड-स्वीकृत नीतियों के तहत किए गए हैं। एलआईसी ने यह भी कहा कि इन निवेश निर्णयों में वित्त मंत्रालय या किसी सरकारी संस्था की कोई भूमिका नहीं है। कंपनी ने जोर देकर कहा कि निवेश केवल विस्तृत जांच-पड़ताल और वित्तीय आधार पर किए जाते हैं। एलआईसी ने बताया कि मई 2025 में उसने अडानी पोर्ट एंड सेज में 570 मिलियन डॉलर का निवेश किया, जिसे भारत की एएए क्रेडिट रेटिंग प्राप्त है। एलआईसी का अडानी समूह में कुल निवेश उसके कुल कर्ज का 2 फीसदी से कम है। कंपनी ने विदेशी मीडिया की रिपोर्ट का खंडन करते हुए कहा कि यह निवेश पूरी तरह सुरक्षित और व्यावसायिक दृष्टिकोण पर आधारित है। एलआईसी भारत का सबसे बड़ा संस्थागत निवेशक है, जिसके पास 41 ट्रिलियन रुपये (500 बिलियन डॉलर) से अधिक की संपत्ति है। यह 351 सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश करता है और सरकारी बांड एवं कॉर्पोरेट ऋण में भी भारी निवेश करता है। एलआईसी के प्रमुख निवेशों में` रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और अडाणी समूह शामिल हैं। एलआईसी के अनुसार, भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में उसका निवेश 2014 से दस गुना बढ़कर 1.56 लाख रोड़ रुपये से 15.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कंपनी ने कहा कि उसके निवेश निर्णय हितधारकों के सर्वोत्तम हित में और नियमानुसार लिए जाते हैं।

# शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे कंपनी नतीजे और वैश्विक आर्थिक फैसले

### निवेशक सबसे पहले कोटक महिंद्रा बैंक के नतीजों पर नजर रखेंगे

**मुंबई**

विशेषज्ञों ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजों का सीजन भारतीय शेयर बाजार की दिशा तय करेगा। निवेशक सबसे पहले कोटक महिंद्रा बैंक के नतीजों पर नजर रखेंगे। इसके बाद आईओसी, टीवीएस मोटर कंपनी, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, आईटीसी, सिप्ला, डाबर, मारुति और एसीसी के आंकड़े निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। बाजार के विश्लेषकों के अनुसार निवेशक कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन के आधार पर बाजार की प्रतिक्रिया तय करेंगे। 28 अक्टूबर को भारत के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े जारी होंगे। वहीं 29 अक्टूबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर निर्णय वैश्विक तरलता और जोखिम धारणा पर असर डाल सकता है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के एक शोध प्रमुख ने कहा कि निवेशक अमेरिका के जीडीपी, यूरोपीय केंद्रीय बैंक और जापान के बैंक ऑफ जापान के नीतिगत फैसलों के साथ-साथ चीन के विनिर्माण पीएमआई पर भी नजर रखेंगे। घरेलू मोर्चे पर, भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वार्ता में प्रगति निवेशकों के लिए प्रमुख ध्यान का केंद्र रहेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया कि भारत जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करेगा। इसके अलावा, अमेरिका-चीन के राष्ट्रपति की बैठक से व्यापार तनाव में कमी आ सकती है, जिसका असर वैश्विक बाजारों पर पड़ेगा। छुट्टियों के कारण कम कारोबार वाले पिछले सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स 259.69 अंक या 0.30 प्रतिशत बढ़ा, जबकि निफ्टी 85.3 अंक या 0.33 प्रतिशत के लाभ में रहा। यह हल्की तेजी बाजार में निवेशकों की सतर्क लेकिन सकारात्मक भावना को दर्शाती है।

# सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से सात का मार्केट कैप 1.55 लाख करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

**मुंबई**

छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले पिछले सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) सामूहिक रूप से 1,55,710.74 करोड़ रुपये बढ़ गया।

घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे ज्यादा लाभ हुआ।

शीर्ष 10 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को लाभ हुआ। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 46,687.03 करोड़ रुपये बढ़कर 19,64,170.74 करोड़ रुपये हो गया।

टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 36,126.6 करोड़ रुपये बढ़कर 11,08,021.21 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 34,938.51 करोड़ रुपये बढ़कर 6,33,712.38 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 13,892.07 करोड़ रुपये बढ़कर 8,34,817.05 करोड़ रुपये रहा।

बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 11,947.17 करोड़ रुपये बढ़कर 6,77,846.36 करोड़ रुपये हो गई, जबकि भारती एयरटेल का मूल्यांकन 9,779.11 करोड़ रुपये बढ़कर 11,57,014.19 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलआईसी ने सप्ताह के दौरान 2,340.25 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 5,62,513.67 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और एलआईसी का स्थान रहा।

## रिलायंस और मेटा ने भारत में नई एआई जॉइंट वेंचर की घोषणा की

**नई दिल्ली** रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक) के साथ मिलकर रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड नाम से एक नई एआई कंपनी बनाने की घोषणा की है। इस कंपनी का उद्देश्य भारत में बड़े व्यवसायों के लिए उन्नत एंटरप्राइज एआई सेवाओं और टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस प्रदान करना है। नई पहल से डिजिटल टेक्नोलॉजी और एआई क्षेत्र में रिलायंस की पकड़ को और मजबूत करने की उम्मीद है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रिलायंस इंटेलिजेंस आरईआईएल में 70 फीसदी हिस्सेदारी रखेगी, जबकि मेटा (फेसबुक) का हिस्सेदारी 30 फीसदी होगी। दोनों कंपनियां मिलकर लगभग 855 करोड़ रुपए का प्रारंभिक निवेश करेंगी। शुरुआत में रिलायंस ने आरईआईएल को 2 करोड़ रुपए की पूंजी के साथ अपनी पूरी सब्सिडियरी के रूप में शामिल किया है। बाद में समझौते के अनुसार, यह पूरी तरह से जॉइंट वेंचर बन जाएगा। रिलायंस ने एक्सचेंज फाइलिंग में स्पष्ट किया है कि यह सौदा किसी प्रकार के संबंधित पार्टी ट्रांजैक्शन में नहीं आता और कंपनी के प्रमोटर या समूह का इसमें कोई व्यक्तिगत हित नहीं है।

# रुस पर प्रतिबंध....पश्चिम एशिया और अमेरिका से कच्चे तेल खरीद सकती हैं भारतीय रिफाइनरी

**मुंबई**

दो रूसी तेल उत्पादक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूस से कच्चे तेल आयात में होने वाली कमी की भरपाई के लिए पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका और अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद बढ़ सकती हैं। अमेरिकी सरकार ने 22 अक्टूबर को रूस के दो सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर प्रतिबंध लगाया है। इसके साथ सभी अमेरिकी संस्थाओं और व्यक्तियों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने से रोका गया है। प्रतिबंधित रूसी तेल कंपनियों या उनकी अनुषंगी इकाइयों के साथ लेनदेन करते मिलने पर गैर-अमेरिकी फर्मों को भी दंड का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी वित्त विभाग ने कहा है कि रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से जुड़े सभी मौजूदा लेनदेन 21 नवंबर तक समाप्त होने चाहिए। इस समय भारत के कच्चे तेल आयात में करीब एक तिहाई हिस्सा रूस का है। रूस ने भारत को वर्ष 2025 में औसतन करीब 17 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात किया। इसमें से करीब 12 लाख बैरल प्रतिदिन तेल सीधे रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से आया। इसमें से ज्यादातर तेल निजी रिफाइनरी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी ने खरीदा था। सरकारी रिफाइनरी कंपनियों की इसमें कम हिस्सेदारी ही रही है। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक (रिफाइनिंग और मॉडलिंग) सुमित रितोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल की आवक 16-18 लाख बैरल प्रतिदिन के दायरे में रहने की उम्मीद है, लेकिन उसके बाद रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से सीधे आयात में गिरावट आएगी है।

जाहिर है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहेगी। सूत्रों ने बताया कि रॉसनेफ्ट के साथ पांच लाख बैरल प्रतिदिन तक कच्चा तेल खरीदने का 25 साल का अनुबंध करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज उससे तेल आयात रोकने वाली पहली कंपनी हो सकती है। यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के कारण अन्य जगहों से आपूर्ति कम होने के बाद, नायरा एनर्जी के पास बहुत कम विकल्प हैं। कंपनी वर्तमान में पूरी तरह से रूसी तेल पर निर्भर है। रितोलिया ने कहा, फिर भी, रिफाइनरी तीसरे पक्ष के मध्यस्थों के जरिये रूसी ग्रेड का तेल लेना जारी रखेंगी।

## सब-4 मीटर एसयूवी का अगला संस्करण 2026 हुंडई वेन्यू पेश

**नई दिल्ली**

अपनी लोकप्रिय सब-4 मीटर एसयूवी का हुंडई मोटर इंडिया ने अगला संस्करण 2026 हुंडई वेन्यू पेश कर दिया है। हुंडई मोटर नई वेन्यू 4 नवंबर 2025 को लॉन्च के लिए तैयार है। यह मॉडल हुंडई के नए डिजाइन दर्शन पर आधारित है और भारत में इसका ग्लोबल डेब्यू होगा। लॉन्च के बाद इसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी एक्सपोर्ट किया जाएगा। टीजर में एसयूवी का डिजाइन पहले से अधिक बोल्ड और दमदार नजर आता है। फ्रंट प्रोफाइल में आयताकार ग्रिल, सी-आकार के एलईडी डीआरएलएस, वर्टिकली स्टैक्ड हेडलैंप और पूरी चौड़ाई में फैली एलईडी लाइट बार दिखाई गई है। बम्पर पर बुल-बार स्टाइल डिजाइन एसयूवी को मजबूत अपील देता है। साइड प्रोफाइल में फ्लैट डोर पैनल, नए सी-पिलर और चंकी व्हील आर्च का इस्तेमाल किया गया है। पीछे की ओर कनेक्टेड एलईडी टेललैंप और आकर्षक टेलगेट इसके प्रीमियम लुक को बढ़ाते हैं। इंटीरियर में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। इसमें नई क्रेटा और अल्काजार की तरह दो 12.3-इंच की कर्व्ड स्क्रीन दी जाएगी। इसके अलावा टच-बेस्ड क्लाइमेट कंट्रोल, फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील, 8-स्पीकर बोस साउंड सिस्टम, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वेंटिलेटेड सीटें और पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स मिलेंगे। सुरक्षा के लिहाज से 2026 वेन्यू में लेवल-2 अडास सिस्टम दिया जाएगा, जिसमें अडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, ब्लाइंड स्पॉट वार्निंग और 360 डिग्री कैमरा जैसे एडवांस फीचर्स होंगे। मैकेनिकल रूप से एसयूवी में 1.2-लीटर पेट्रोल, 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल इंजन विकल्प जारी रहेंगे। उम्मीद है कि डीजल इंजन के साथ अब 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स भी मिलेगा।

## डीमार्ट ने लेंसकार्ट में 90 करोड़ का निवेश किया

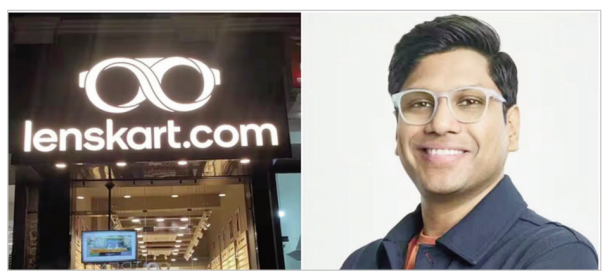


- आईवियर ब्रांड लेंसकार्ट का आईपीओ 31 अक्टूबर से 4 नवंबर तक खुला रहेगा

**नई दिल्ली**

देश के दिग्गज निवेशक और एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) के संस्थापक राधाकिशन दमानी ने आईवियर कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में लगभग 90 करोड़ रुपए का निवेश किया है। यह निवेश लेंसकार्ट के आगामी आईपीओ से ठीक पहले किया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार दमानी की पत्नी श्रीकांता आर. दमानी ने 23 अक्टूबर 2025 को कंपनी की सह-संस्थापक नेहा बंसल से 22,38,806 इक्विटी शेयर 402 प्रति शेयर की दर से खरीदे, जिससे कुल सौदे की कीमत 90 करोड़ रही।

यह हिस्सेदारी कंपनी में लगभग 0.13 प्रतिशत है। लेंसकार्ट का आईपीओ 31 अक्टूबर से खुलकर 4 नवंबर 2025 को बंद होगा।

इस इश्यू में 2,150 करोड़ के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 12.75 करोड़ इक्विटी शेयर प्रमोटर्स और निवेशकों द्वारा ऑफर फॉर सेल के तहत बेचे जाएंगे। इसमें 75 फीसदी हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स, 15 फीसदी नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों और 10 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित रहेगा। इसके अलावा 15 करोड़ के शेयर कर्मचारियों के लिए रिजर्व किए गए हैं।

कंपनी इस फंड का उपयोग नए स्टोर खोलने, टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षमताओं को मजबूत करने, ब्रांड मार्केटिंग और संभावित अधिग्रहणों में करेगी।

वित्त वर्ष 2025 में लेंसकार्ट ने 297.3 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष उसे 10.2 करोड़ का घाटा हुआ था। कंपनी का राजस्व 23 फीसदी बढ़कर 6,652.5 करोड़ तक पहुंचा और ग्रॉस मार्जिन भी 69 फीसदी तक सुधरा।

# यूरो एनसीएपी करेगी सुरक्षा मानदंडों को और कड़ा

**नई दिल्ली**

दुनिया भर में कारों की सुरक्षा का स्तर जानने के लिए अलग-अलग देशों के लिए एनसीएपी सेफ्टी रेटिंग लागू है भारत में बीएनकैप, यूरोप में यूरो एनसीएपी और ग्लोबल लेवल पर जीएनसीएपी। यूरोप में लगभग 90 प्रतिशत ग्राहक कार खरीदने से पहले यूरो एनसीएपी रेटिंग जरूर देखते हैं। हालांकि, यूरो एनकैप ने 2026 के बाद से सुरक्षा मानदंडों को और कड़ा कर दिया है। नए 2026 सेफ्टी असेसमेंट प्रोटोकॉल में रियल वर्ल्ड ड्राइविंग के परिदृश्यों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले मजबूत अडास सिस्टम को अनिवार्य किया गया है। सबसे खास बदलाव यह है कि कारों में हॉर्न, टर्न सिग्नल, हैजर्ड लाइट, विंडशील्ड वाइपर और इमरजेंसी एसओएस जैसे कार्यों के लिए फिजिकल बटन या डायल रखना जरूरी होगा। इसका मकसद ड्राइवर का ध्यान सड़क से हटने न पाए। स्टडीज बताती हैं कि सड़क से केवल 2 सेकंड के लिए नजरें हटने से टक्कर हो सकती है। टचस्क्रीन पर नियंत्रण करने में 5 से 40 सेकंड तक ध्यान भटक सकता है। 2020 के बाद यूरोपीय संघ में ध्यान भटकने से होने वाली दुर्घटनाओं में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसलिए यूरो एनसीएपी ड्राइवर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फिजिकल बटनों को अनिवार्य कर रहा है। यह बदलाव कार निर्माताओं के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अधिकांश नई कारों में क्लीन और मिनिमलिस्ट इंटीरियर्स

अपनाए गए हैं, जहां अधिकांश नियंत्रण टचस्क्रीन पर ट्रांसफर कर दिए गए हैं। फिजिकल बटनों को वापस लाने के लिए हार्डवेयर को फिर से डिजाइन करना और सप्लाई श्रृंखला में बदलाव करना पड़ेगा, जिससे लागत बढ़ सकती है और नए मॉडलों की लॉन्चिंग में देरी आ सकती है।

# ध्रुव विक्रम को स्टार किड होने का मिला फायदा

अभिनेता ध्रुव विक्रम हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म बाइसन के प्रचार में व्यस्त हैं। यह फिल्म 17 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। 24 अक्तूबर को रिलीज होने वाले तेलुगु संस्करण के प्रचार के सिलसिले में, वे हैदराबाद में थे। अभिनेता विक्रम के बेटे ध्रुव ने स्टार किड होने के बारे में खुलकर बात की और इस किरदार को निभाने के लिए की गई मेहनत के बारे में बताया।

## स्टार होने की वजह से मिले कई मौके

ध्रुव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वीकार किया कि एक स्टार किड होने के नाते उन्हें कई मौके मिले हैं। वह इन मौकों का पूरा फायदा उठाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, यह सच है कि मैं एक स्टार किड हूं और मुझे मौके मिलते रहते हैं। हालांकि मैं लोगों को स्वीकार करने, मुझे प्यार करने, मेरे काम को पसंद करने के लिए मेहनत करता हूं। मैं तमिल, तेलुगु और भारतीय सिनेमा में अपनी जगह बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं। इसके लिए मैं काम करता रहूंगा। फिल्म बाइसन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, बाइसन के बारे में, मैं हमेशा सोचता था कि अगर मेरी जगह कोई ऐसा व्यक्ति होता जो फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आता, तो वह कितना कुछ करता? वह कितना काम करता? मैं इस बारे में और इस फिल्म के लिए मेहनत करता और तैयारी करता। मैंने इस फिल्म को अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की।

## फिल्म के बारे में

फिल्म बाइसन का लेखन और निर्देशन मारी ने किया है। फिल्म में ध्रुव और अनुपमा के अलावा पशुपति, अमीर, लाल, राजिशा विजयन और अजगम पेरुमल ने अभिनय किया है। यह कबड्डी खिलाड़ी मनाथी गणेशन के जीवन पर आधारित है और एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो जाति-आधारित भेदभाव को मात देते हुए खेल में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।

# सिंगल मदर होना आसान नहीं

अभिनेत्री शुभांगी अत्रे टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर घर-घर में प्रसिद्ध हुईं। सोशल मीडिया पर भी उनकी फैन फॉलोइंग तगड़ी है।वह एक सिंगल मदर हैं और बेटी की परवरिश अकेले कर रही हैं। आईएएनएस को दिए विशेष इंटरव्यू में उन्होंने वर्क-लाइफ बैलेंस के बारे में बात की। इसमें उन्होंने बताया कि बतौर सिंगल मदर वह कैसे काम और घर की जिम्मेदारियां संभालती हैं। शुभांगी अत्रे ने कहा, यह बिल्कुल भी आसान नहीं है। मुझे सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है, चाहे वह घर हो या मेरी बेटी। कई दिन ऐसे भी आते हैं, जब यह बहुत अधिक बोझिल लगता है, लेकिन मैं एक समय में एक ही काम करने की कोशिश करती हूं। मैं यह सुनिश्चित करती हूं कि सेट पर या घर पर, जहां भी रहूं, उस पल में पूरी तरह से मौजूद रहूं। उन्होंने कहा, प्रतिस्पर्धा हर जगह है, लेकिन मैं तुलना करने के बजाय खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करती हूं। अवसर हमेशा आते रहेंगे, लेकिन आपको उन्हें पकड़ने के लिए तैयार रहना होगा। मैंने सीखा है कि आपको हमेशा सही अवसर नहीं मिलते, आप उन्हें अपनी कड़ी मेहनत और सही नजरिए से बनाते हैं। अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित और केंद्रित रहें, तो वह अंततः आपके पास आ ही जाएगा। क्या करियर में भाग्य की भूमिका भी होती है? इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, भाग्य आपके लिए एक दरवाजा खोल सकता है, लेकिन आपकी कड़ी मेहनत ही आपको उस कमरे में रखती है। मैंने कई लोगों को एक बार भाग्यशाली होते देखा है, लेकिन केवल वे ही आगे बढ़ते हैं, जो ईमानदार और निरंतर प्रयास करते रहते हैं। शुभांगी अत्रे ने कहा, अब मेरी महत्वाकांक्षा ऐसी भूमिकाएं निभाने की है जो मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें। मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा अपने काम के प्रति मेरे प्रेम और अपनी बेटी के लिए एक उदाहरण पेश करने की मेरी इच्छा से मिलती है। दृढ़ संकल्प के साथ आप सब कुछ संभाल सकते हैं और साथ ही अपने सपनों को भी पूरा कर सकते हैं।

# चार्मर ने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ के गाने चार्मर को लेकर अपना एक खास अनुभव शेयर किया, जो उन्हें बेहद पसंद भी आया। इस गाने ने उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की। सान्या ने इंस्टाग्राम पर चार्मर गाने का एक रिहर्सल वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सफेद ड्रेस में शानदार डांस मूव्स करती नजर आईं। इसके साथ सान्या ने कैप्शन में लिखा, मैंने इससे पहले कभी हील्स में डांस नहीं किया और अब मैं रुकना नहीं चाहती। मुझे दिलजीत दोसांझ के चार्मर गाने पर डांस करने का मौका मिला। मेरी टीम और डायरेक्टर का शुक्रिया। जान्हवी कपूर और राखी सावंत ने इस पोस्ट पर फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। सोफी चौधरी ने लिखा, वो सब तो ठीक है... लेकिन मुझे कभी इतना स्वैग वाला फैन लड़का क्यों नहीं मिला? आप लोगों के मूव्स बहुत पसंद हैं... हमेशा।
चार्मर गाना दिलजीत के एल्बम ऑरा का हिस्सा है, जिसे 20 अक्तूबर को रिलीज किया गया। इस गाने का संगीत अवी सरा ने दिया और बोल राज रंजोध ने लिखे। वीडियो में सान्या एक खूबसूरत जगह पर जोशीले अंदाज में डांस करती दिख रही हैं। वीडियो को शारिक सेक्रेरा ने डायरेक्ट किया, श्लोक आहूजा ने शूट किया और यश कदम ने कोरियोग्राफी की। इसके पहले, दिलजीत के एल्बम से कुफर गाना रिलीज हुआ था, जिसमें मानुषी छिल्लर नजर आई थीं।

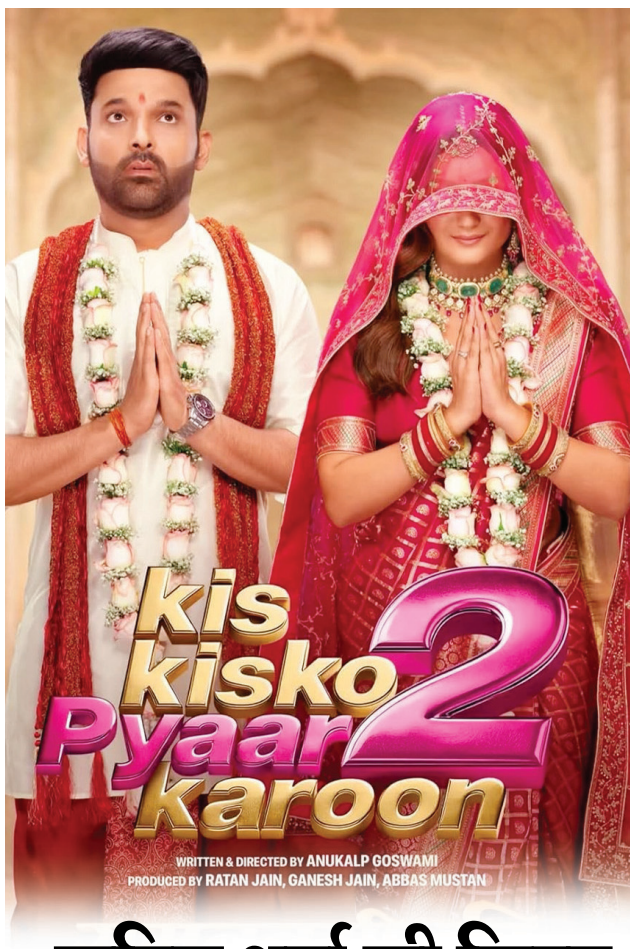


# कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 के रिलीज डेट का एलान

**मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा अभिनीत फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 को लेकर बड़ी अपडेट आ गई है। यह फिल्म बहुत जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है। निर्माताओं ने इसके रिलीज डेट का एलान कर दिया है। आइए जानते हैं सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी फिल्म।**

कपिल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। यह क्लिप फिल्म के पोस्टर की एक स्लाइड थी जिसमें सभी कलाकार नजर आ रहे हैं। रिलीज की तारीख का खुलासा करते हुए, कॉमेडियन-अभिनेता ने लिखा, दोगुने कन्फ्यूजन और चार गुना मस्ती के लिए तैयार हो जाइए। किस किसको प्यार करूं 2, हंसी का धमाल सिर्फ सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को शुरू होगा।
रिलीज डेट के सामने आते ही नेटिजंस काफी खुश हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, फिल्म से ज्यादा हनी सिंह के गाने का इंतजार है। वहीं दूसरे यूजर ने कहा, फिल्म बहुत शानदार होने वाली है। एक और यूजर ने कहा, केंडी यो यो हनी सिंह। इसके अलावा अन्य यूजर्स कपिल शर्मा के कॉमेडी अंदाज को देखने का इंतजार कर रहे हैं।

## 'किस किसको प्यार करूं 2' के बारे में

किस किसको प्यार करूं 2 का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी कर रहे हैं। इसके निर्माता रतन जैन और गणेश जैन हैं। फिल्म में कॉमेडी, भ्रम और तमाशा का ड्रामा देखने को मिलेगा। फिल्म के पहले पार्ट को भी दर्शकों का काफी प्यार मिला था। इस फिल्म का निर्माण अब्बास-मस्तान द्वारा वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया जा रहा है। कपिल शर्मा की यह फिल्म 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# ब्रिटिश शासन पर आधारित पीरियड ड्रामा होगी प्रभास की अगली फिल्म

प्रभास इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द राजा साब को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच प्रभास अपनी एक और नई फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। माना जा रहा है कि इसका टाइटल फौजी होगा। हालांकि नए पोस्टर में प्रभास का पूरा लुक नहीं दिखाया गया है। इसमें ग्रेट ब्रिटेन का झंडा देखा जा सकता है। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है 1932 से मोस्ट वांटेड। ऐसे में माना जा रहा है कि यह फिल्म ब्रिटिश शासन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा होगी। इसमें प्रभास संभवतः एक स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभा सकते हैं।
इससे पहले एक पोस्टर जारी किया गया था जिसमें बंदूकों का ढेर लगा था। इसके ऊपर एक शख्स की परछाई थी। इसमें दिवाली की शुभकानाएं भी दी गई थीं। इससे पहले साझा किए गए पोस्टर में शिलालेख थे, जिससे संकेत मिलता है कि फिल्म में पौराणिक विषयों का समावेश होगा। खबरों के मुताबिक टाइटल की आधिकारिक घोषणा प्रभास के जन्मदिन पर होगी। खबर है कि मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित, इस फिल्म में इमानवी मुख्य भूमिका में होंगी। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और जया प्रदा जैसे कलाकार भी होंगे। संगीत विशाल चंद्रशेखर का है। फिल्म को अगस्त 2026 में रिलीज करने की योजना है।
इस बीच, प्रभास की जनवरी 2026 में एक बड़ी फिल्म रिलीज होने वाली है, जिसका निर्देशन मारुति ने किया है। यह हॉरर-कॉमेडी द राजा साब है, जिसमें निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और संजय दत्त भी हैं।

# जीतू अगर मुझसे एक्टिंग सीखता, तो जरूर खराब करता

**जब एक फिल्म में दमदार कहानी, मजबूत किरदार और सामाजिक सरोकार आपस में जुड़ते हैं, तो कलाकारों को भी उससे जुड़ने का एक गहरा कारण मिल जाता है। फिल्म भागवत चैप्टर 1 -राक्षस मानव तस्करी जैसे गंभीर विषय को हल्के-फुल्के कॉमर्शियल अंदाज में पेश करती है, उसी पर एक्टर अरशद वारसी ने खुलकर बातचीत की है। फिल्म में जहां अरशद एक इन्टेंस लेकिन दिलचस्प पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं, वहीं जीतेंद्र एक बिल्कुल अलग अवतार में दर्शकों को चौंकाने वाले हैं।**

**एक एक्टर के तौर पर आप इस फिल्म से कैसे जुड़े? ऐसा क्या था जो आपको इस प्रोजेक्ट की तरफ खींच लाया?**

मैंने सबसे पहले हमारे डायरेक्टर अक्षय शेरे से स्क्रिप्ट सुनी। कहानी मुझे काफी मजेदार और इंटेंस लगी। स्क्रीनप्ले और कॉन्सेप्ट बहुत मजबूत था। जिस तरह से कहानी बुनी गई थी, उसमें दिलचस्पी जागी। काफी वक्त बाद मुझे एक ऐसा रोल मिला जिसमें मैं ऑफिसर की वर्दी पहन रहा हूं। इससे पहले मैंने 'सहर' फिल्म में एसएसपी अजय कुमार का रोल निभाया था। मेरा बस चले तो ऐसी ही एक वर्दी घर में बनवाकर रख लूं और पहनकर काम पर जाऊं। यह रोल लाइट कॉमेडी और कॉमर्शियल स्पेस में है लेकिन साथ ही थोड़ा इंटेंस भी है।

**अरशद, आपके किरदार के अंदर एक आंतरिक संघर्ष चलता है जो फिल्म में नजर आता है। क्या इसके लिए आपने कोई खास तैयारी की?**

सच कहूं तो मैंने इसके लिए कोई अलग रिसर्च या खास तैयारी नहीं की। मैं क्यों झूठ बोलूं कि मैं तीन महीने वनवास में चला गया था। जब मैंने कहानी सुनी, तो बस 24 घंटे उस किरदार के बारे में सोचता रहा। फिर फिल्म के राइटर और डायरेक्टर के साथ बातचीत होती रही कि वो मुझसे क्या चाहते हैं और मैं उस किरदार को कैसे जस्टिफाई करूं। उनसे इनपुट मिलते थे, जिसकी मदद से मैं अपने दिमाग में उस आदमी की एक छवि बना लेता था कि वो ऐसा होगा।

**फिल्म मानव तस्करी पर आधारित है, क्या शूट से पहले आपने इसके लिए कोई रिसर्च की?**

मेरा मानना है कि फिल्म किसी भी विषय पर हो, एक कलाकार को फिल्म के नजदीक रहना चाहिए। जो कहानी राइटर ने लिखी है, वही आपकी जानकारी होनी चाहिए। वरना आप फिल्म की सोच से भटक सकते हैं। साथ ही, हमारे राइटर और डायरेक्टर पहले से ही विषय पर गहरी रिसर्च कर चुके थे, तो मुझे अलग से रिसर्च की जरूरत नहीं पड़ी।

**क्या आपको लगता है कि फिल्म दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ पाएगी? जब लोग फिल्म देखें तो उन्हें क्या महसूस होना चाहिए?**

हर फिल्म किसी न किसी जज्बात को छूती है। मुझे उम्मीद है कि इस फिल्म में भी कुछ ऐसी बातें होंगी जो दर्शकों के दिल तक पहुंचेगी। जो हालात हमने फिल्म में दिखाए हैं, वो उनके जेहन में रहें। लोग समझें कि हमने क्या दिखाने की कोशिश की है। और सबसे बड़ी बात, उन्हें यह महसूस हो कि उनका समय बेकार नहीं गया।

**आप नॉन-फिल्मी बैकग्राउंड से आते हैं। साथ में काम करते वक्त क्या आपने अपनी जर्नी के संघर्षों में कुछ समानता देखी?**

मुझे तो लगता है कि हम दोनों ही बहुत रेगुलर लोग हैं, लेकिन बहुत टैलेंटेड हैं। जीतेंद्र बहुत अच्छा एक्टर है। अगर ऐसा नहीं होता तो फिल्म का सारा भार मुझ पर आ जाता और इसकी एक्टिंग भी मुझे ही करनी पड़ती। अगर कभी इसने मुझसे एक्टिंग सीख ली होती, तो शायद और भी खराब परफॉर्म करता।

# 'हिटमैन' के संन्यास को लेकर बचपन के कोच ने किया बड़ा खुलासा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सिडनी में खेले गए भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैच में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने बल्ले से कमाल कर दिया। रोहित ने 125 गेंदों पर नाबाद 121 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और 3 छक्के शामिल थे। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 50वां शतक भी साबित हुआ। रोहित शर्मा ने इस मैच में विराट कोहली के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए नाबाद 168 रनों की साझेदारी की। इस शानदार पार्टनरशिप के दम पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराकर मैच जीत लिया।

### रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन

38 साल की उम्र में 'हिटमैन' रोहित शर्मा पहले से ज्यादा फिट और रनों के भूखे नजर आए। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की पूरी कोशिश के बावजूद रोहित ने अपनी टाइमिंग और शॉट सेलेक्शन से विपक्षी गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया। रोहित ने इस सीरीज में कुल 202 रन बनाए, औसत 101 के साथ, जो किसी अन्य खिलाड़ी के लिए सबसे ज्यादा थी। इस प्रदर्शन के चलते उन्हें 'Player of the Series' चुना गया।

### रोहित शर्मा की रिटायरमेंट को लेकर बचपन के कोच ने तोड़ी चुप्पी

रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने मैच के बाद बताया कि रोहित ने अपनी भविष्य की योजना पहले ही तय कर ली है। लाड ने कहा, 'आज रोहित की बल्लेबाजी और टीम को जीत दिलाने का अंदाज देखकर बहुत अच्छा लगा। उसने पहले ही तय कर लिया है कि वह 2027 का वनडे वर्ल्ड कप खेलेगा और उसके बाद रिटायरमेंट लेगा।' रोहित का सपना भारत के लिए वनडे वर्ल्ड कप जीतना है। वर्ल्ड कप 2011 में रोहित भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे, जबकि वर्ल्ड कप 2023 में उनकी कप्तानी में भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल हार गया था।

### दिनेश लाड ने विराट की भी की तारीफ

विराट कोहली ने भी इस मैच में जबरदस्त बल्लेबाजी की। लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद कोहली ने इस मैच में नाबाद 74 रन बनाए। दिनेश लाड ने कहा, 'विराट किसी भी परिस्थिति में सफल हो सकते हैं। जिस तरह वह खेले, देखकर

बहुत अच्छा लगा।' लाड ने यह भी याद दिलाया कि सचिन तेंदुलकर ने भविष्यवाणी की थी कि रोहित शर्मा और विराट कोहली मास्टर ब्लास्टर के रिकॉर्ड्स को तोड़ेंगे। इस मैच और रोहित-कोहली के करियर को देखकर अब यह भविष्यवाणी सच होती नजर आ रही है।

# एशिया जूनियर बैडमिंटन में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, शायना और दीक्षा ने जीता गोल्ड

**चेंगदू (चीन) (एजेंसी)।** भारत ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप 2025 में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

अंडर-15 गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में शायना मणिमुथु ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं अंडर-17 गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में दीक्षा सुधाकर ने अपनी हमवतन लक्ष्या राजेश को 21-16, 21-9 से मात दी।

दीक्षा इस उपलब्धि के साथ जूनियर एशियन चैंपियनशिप के इतिहास में अंडर-17 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय सिंगल्स खिलाड़ी बन गईं। इससे पहले 2013 में भारत ने दो गोल्ड जीते थे – जब सिरिल वर्मा ने अंडर-15 बॉयज़ सिंगल्स और चिराग शेट्टी-एमआर अर्जुन की जोड़ी ने अंडर-17 बॉयज़ डबल्स में जीत दर्ज की थी।

शायना ने जहां मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा, वहीं दीक्षा ने 27 मिनट में ऑल-इंडियन फाइनल अपने नाम किया। इससे पहले शनिवार को जगशेर सिंह खंगुरा ने बॉयज़ सिंगल्स में और जंगजीत सिंह काजला-जनानिका रमेश की जोड़ी ने मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक हासिल किए।

### भारत के पदक विजेता

दीक्षा सुधाकर -अंडर17 गर्ल्स सिंगल्स गोल्ड

शायना मणिमुथु -अंडर15 गर्ल्स सिंगल्स गोल्ड

लक्ष्या राजेश -अंडर17 गर्ल्स सिंगल्स सिल्वर

जगशेर सिंह खंगुरा -अंडर17 बॉयज़ सिंगल्स ब्रॉन्ज

जंगजीत सिंह काजला और जनानिका रमेश -अंडर17 मिक्स्ड डबल्स ब्रॉन्ज।

# शुभमन गिल ने दिया बड़ा संकेत, इस बॉलिंग ऑलराउंडर की 2027 वर्ल्ड कप में होगी जरूरत

**सिडनी (एजेंसी)।** सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की 9 विकेट से शानदार जीत के बाद कप्तान शुभमन गिल ने गेंदबाज हर्षित राणा की जमकर तारीफ की। गिल ने इशारों में संकेत दिया कि आने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारत को राणा जैसे बॉलिंग ऑलराउंडर की जरूरत होगी।

गिल ने कहा कि अगर हर्षित लगातार 20-25 रन का योगदान बल्ले से भी दे सकते हैं, तो वह टीम के लिए नंबर 8 स्थान पर बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं।

गिल ने मैच के बाद कहा, 'हमें भरोसा है कि हर्षित ये कर सकते हैं, और यह पोज़िशन टीम के लिए बहुत अहम है।'

हर्षित राणा ने तीसरे वनडे में 4 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों की कमर तोड़ दी थी। वहीं दूसरी ओर, गिल ने माना कि दक्षिण अफ्रीका जैसी तेज पिचों पर ऊंचे और 140+ की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाजों की अहमियत और बढ़ जाती है। 'ऐसे तेज गेंदबाज बहुत कम हैं जो ऊंचे भी हैं और लगातार स्पीड से गेंदबाजी कर सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका की पिचों पर ऐसे गेंदबाज बेहद जरूरी हैं,' गिल ने कहा।

भारत की जीत में हर्षित के अलावा स्पिनरों की भूमिका की भी गिल ने सराहना की, जिन्होंने शुरुआती ओवरों में दबाव बनाया, जिसका फायदा राणा ने उठाया। रोहित शर्मा (121*) और विराट कोहली (74) ने शानदार बल्लेबाजी कर लक्ष्य को आसानी से हासिल किया।

# हां मैंने आलोचना की थी, लेकिन हार्षित राणा का प्रदर्शन शानदार रहा: क्रिस श्रीकांत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के तेज गेंदबाज हार्षित राणा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे ODI में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने आलोचकों को चुप करा दिया। 23 साल के राणा ने अपनी ODI करियर की बेस्ट 4/39 गेंदबाज़ी के साथ भारत को 9 विकेट की जीत दिलाई और पूर्व चयनकर्ता व 1983 विश्व कप विजेता सदस्य क्रिस श्रीकांत भी फैन बन गए।

कुछ हफ्ते पहले श्रीकांत ने राणा को गौतम गंभीर का 'Yes Man' कहकर आलोचना की थी। हालांकि अब उन्होंने कहा: 'हार्षित राणा ने शानदार गेंदबाज़ी की। चार विकेट लेना एक बड़ी उपलब्धि है। मेरा पसंदीदा विकेट ओवेन का था। उसने बेहतरीन लाइन और लेंथ में गेंदबाज़ी की। पिछले मैच में उसे मार गिराया गया था,

लेकिन इस मैच में उसने डैथ ओवर में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। आज हार्षित को सारी तारीफ मिलनी चाहिए।' राणा ने एडेलेड में भी 18 गेंद में नाबाद 24 रन बनाकर अपनी बल्लेबाज़ी क्षमता दिखाई थी। कप्तान शुभमन गिल ने भी उनकी तारीफ की और कहा कि राणा 2027 ODI वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका की बाउंसी पिचों पर तीसरे तेज़ गेंदबाज़ और No.8 पर बल्लेबाज़ के रूप में टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं। पूर्व कप्तान और वर्तमान कोच गौतम गंभीर ने भी राणा के बचपन के आलोचकों को लताड़ लगाई और कहा कि किसी 23 वर्षीय खिलाड़ी पर व्यक्तिगत हमला करना गलत है। 'उसका प्रदर्शन ही मापदंड होना चाहिए। किसी को सोशल मीडिया पर निशाना बनाना उसके मनोबल पर असर डालता है। राणा ने अपनी मेहनत और काबिलियत से टीम में जगह बनाई है और आगे भी बनाए रखेगा।' गौर है कि तीसरे वनडे में भारत की ओर से रोहित शर्मा (121) और विराट कोहली (74) की बेहतरीन पारियों की बदौलत टीम ने 237 रन का लक्ष्य 69 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया।

# मेसी का भारत दौरा टला

कोच्चि। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी का अगले माह होने वाला भारत दौरा टल गया है। दौरे के प्रायोजक ने कहा कि कुछ कारणों से ये दौरा टाल दिया गया है। वहीं इससससे पहले इस प्रस्तावित फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी। वहीं ऑगस्टीन ने अब सोशल मीडिया में घोषणा की कि यह मैच अगले महीने नहीं होगा। साथ ही कहा कि दौरे की नई तारीखों की जानकारी बाद में दी जाएगी।

गौरतलब है कि विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) की अनुमति मिलने में देरी के कारण ही अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ बातचीत के बाद इस मैच को नवंबर की विंडो से स्थगित किये जाने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि केरल में यह मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा और नई तारीख की घोषणा शीघ्र होगी। इससे पहले एएफए के प्रतिनिधियों ने सुविधाओं का जायजा लेने के लिए कोच्चि स्थित जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का दौरा किया थ। वहीं केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहमान के कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें मैच स्थगित किए जाने के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों से बात की जाएगी और उसके बाद ही कार्यक्रम में बदलाव की घोषणा होगी।

# रोहित एकदिवसीय में 100 कैच लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों के क्लब में शामिल

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गये तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में शतकीय पारी खेलने के साथ ही एकदिवसीय में 100 कैच लेने का भी रिकार्ड बनाया है। रोहित ने तीसरे एकदिवसीय में दो कैच पकड़कर अपने 100 कैच पूरे किये। रोहित ने नाथन एलिस का कैच लेकर अपने करियर का 100वां कैच लपका। इसी के साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट में 100 कैच लेने वाले वह सातवें भारतीय खिलाड़ी बन गए। रोहित ने ये उपलब्धि अपने 276वें मैच में हासिल की। रोहित से पहले विराट कोहली ने 305 मैच में 164 कैच, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 334 मैच में 156 कैच, सचिन तेंदुलकर ने 456 मैच में 140 कैच, राहुल द्रविड़ ने 344 मैच में 124 कैच, सुरेश रैना ने 226 मैच में 102 कैच, और सौरव गांगुली ने 311 मैच में 100 कैच लिए थे। रोहित ने तीसरे एकदिवसीयम में अपनी अपनी 121 रनों की पारी में 3 छक्के और 13 चौके लगाये थे। इस प्रकार रोहित ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों प्रारुपों को मिलाकर 50 शतक लगाया। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के तीसरे और अब तक के 10वें बल्लेबाज हैं। रोहित की शतकीय पारी की सहायता से भारतीय टीम ने 237 के लक्ष्य को 38.3 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

# हर्षित को गंभीर ने दी थी चेतावनी, प्रदर्शन करो या बहार होने के लिए तैयार रहो

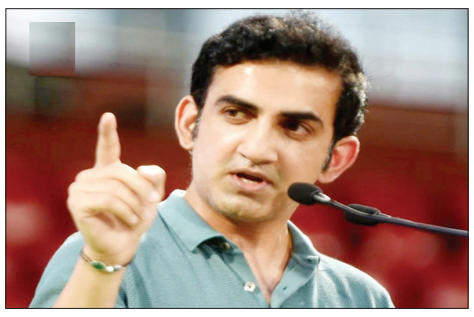

सिडनी। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम में शामिल किये जाने के बाद से ही निशाने पर थे। पहले दो मैच में खराब गेंदबाजों के बाद उनके आलोचक और मुखर हो गये थे और उनका कहना था कि हर्षित अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाज नहीं है पर अंतिम एकदिवसीय में इस युवा ने चार विकेट लेकर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। हर्षित ने 8.4 ओवर में 39 रन देकर चार विकेट लिए। इस युवा ने गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी की। दूसरे एकदिवसीय में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके बाद भी कई लोगों का मानना है कि उन्हें एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि हर्षित के अच्छे प्रदर्शन के पीछे कोच गौतम गंभीर की उन्हें दी गयह चेतावनी थी। गंभीर ने उनसे प्रदर्शन करने या बाहर बैठने के लिए तैयार रहने को कहा था।

हर्षित के बचपन के कोच श्रवण कुमार ने बताया कि उसके एकदिवसीय टीम में चयन पर सवाल उठाए गए थे। सिडनी मैच में हर्षित को अर्शदीप सिंह के ऊपर चुना गया, जिससे कई लोग हैरान रह गए। इसी दौरान गंभीर ने उसने प्रदर्शन करने या बाहर होने के लिए तैयार रहने कहा था।

श्रवण ने कहा, फउसने मुझे फोन किया और बताया कि वह अपने प्रदर्शन से बाहरी लोगों की बातों और आलोचनाओं को शांत करना चाहता है। तब मैंने बस कहा, 'खुद पर विश्वास रखो.' मुझे पता है कि कुछ क्रिकेटर कहते हैं कि वह गंभीर के करीब है इसलिए टीम में है पर ये सही नहीं है .लेकिन गंभीर को प्रतिभा की पहचान करना आता है। इसलिए. वह उनका समर्थन करते हैं उन्होंने पहले भी कई क्रिकेटरों का समर्थन किया है

# बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों से हुई छेड़छाड़ के मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की

### -पुलिस ने जांच तेज की

**इंदौर (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटरों से हुई छेड़छाड़ के मामले की कड़ी आलोचना की है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इस घटना की जितनी निंदा की जाये वह कम है। वहीं इस घटना पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड (सीए) ने भी चिंता जताई और भारतीय अधिकारियों से खिलाड़ियों की सुरक्षा पक्की करने की मांग की है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है। वह इस मामले में गिरफ्तार आरोपी अकील खान से पूछताछ कर रही है। यह घटना उस समय हुई, जब खिलाड़ी होटल से निकलकर एक कैफे जा रही थीं।

इस घटना से ऑस्ट्रेलियाई टीम की सुरक्षा में लापरवाही की पोल जरुर खुल गयी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि अब सुरक्षा बढ़ा दी गयी है और आगे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। पुलिस ने इस घटना के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच तेज कर दी है। फुटेज में साफ तौर पर दिख रहा है कि कैसे आरोपी ने खिलाड़ियों के साथ बदसलूकी की। पुलिस ने हालांकि इस मामले में आरोपी को तत्कल पकड़ लिया था।

यह इलाका व्यस्त रहता है, फिर भी अपराधी ने जिस प्रकार घटना को अंजाम दिया उससे साफ है कि अपराधियों के हौंसले कितने बुलंद हैं। स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने बताया कि सर्विस रोड पर अक्सर भीड़ रहती है पर सुरक्षा के लिए कोई विशेष इंतजाम नहीं किए गए थे। अतिरिक्त सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों के आधार पर मामले की तह तक जाने की कोशिश की जा रही है। इस बीच, स्थानीय प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की बात कही है, जिसमें अतिरिक्त पुलिस गश्त और सीसीटीवी निगरानी बढ़ाना शामिल है। यह घटना से केवल सुरक्षा व्यवस्था ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान विदेशी मेहमानों की सुरक्षा को लेकर भारत की छवि को भी झटका लगा है।

# क्लच शतरंज चैंपियंस में गुकेश के सामने बड़ी चुनौती

सेंट लुई। विश्व चैंपियन डी. गुकेश को 412,000 डॉलर इनामी क्लच शतरंज चैंपियंस में अब तक की सबसे कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। यूरोपियन क्लब कप में अपनी टीम सुपर चेस को जीत दिलाने के बाद अमेरिका पहुंचे गुकेश को खिताब जीतने के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ खेल तकनीक दिखानी होगी। इस प्रतियोगिता में विश्व रैंकिंग के टॉप तीन खिलाड़ियों – मैग्नस कार्लसन, हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारूआना – का भी जोरदार मुकाबला होगा। हाल ही में पिता बने कार्लसन ने अपना ब्रेक खत्म किया है और वह खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। क्लच शतरंज का यह टूर्नामेंट 18 गेम तक चलेगा और एक पखवाड़े में संपन्न होगा। विजेता को 120,000 अमेरिकी डॉलर, दूसरे स्थान पर 90,000 अमेरिकी डॉलर, तीसरे और चौथे स्थान पर क्रमशः 70,000 और 60,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा, प्रत्येक राउंड में जीत पर अतिरिक्त 72,000 डॉलर की राशि भी पुरस्कार के रूप में मिलेगी।

# टीम प्रबंधन को उम्मीद प्रतीका सेमीफ़ाइनल में भी करेगी अच्छा प्रदर्शन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वर्ल्ड कप 2025 में अब भारत की असली परीक्षा शुरू होने जा रही है। सेमीफाइनल में टीम इंडिया का सामना होगा उस ऑस्ट्रेलियाई टीम से, जिसने वर्षों से महिला विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा बनाए रखा है। ग्रुप मैच में जब दोनों टीमों का आमना-सामना हुआ था, तब स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल ने शानदार शुरुआत दी थी, लेकिन टीम उस लय को अंत तक कायम नहीं रख सकी थी। इस बार दांव पहले से कहीं अधिक बड़ा है, क्योंकि जीत भारत को फाइनल में पहुंचा सकती है और हार से पूरा अभियान थम सकता है।

भारतीय बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना इस वर्ल्ड कप की सबसे निरंतर और प्रभावशाली खिलाड़ी रही हैं। उनके साथ प्रतीका रावल का प्रदर्शन भी अब पूरे टूर्नामेंट की चर्चा का विषय बन गया है। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ शतक लगाकर उन्होंने यह साबित कर दिया कि दबाव के क्षणों में वह टीम की रीढ़ बन सकती हैं। अब सभी निगाहें उन पर होंगी, क्योंकि यही वह मैच है जो खिलाड़ियों को नायक से दंतकथा में बदल देता है और महिला क्रिकेट के इतिहास में नए अध्याय लिखता है।

टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि प्रतीका एक बार फिर अपनी दमदार पारी से विपक्ष को चौंकाएंगी। नॉकआउट मैचों में परिस्थितियाँ पलभर में बदल सकती हैं जैसा कि 2017 के डर्बी सेमीफ़ाइनल में हरमनप्रीत कौर ने अपने ऐतिहासिक शतक से दिखाया था। अगर इस बार स्मृति और प्रतीका मिलकर वही करिश्मा दोहराती हैं, तो भारत न सिर्फ फाइनल में जगह बना सकता है बल्कि ऑस्ट्रेलिया के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को भी तोड़ सकता है।

इस मैच में भारत को धैर्य, संयम और आत्मविश्वास से खेलना होगा। टीम को खुद पर उतना ही विश्वास रखना होगा जितना प्रतीका ने मुश्किल वक्त में अपने खेल पर रखा था। अगर

इस बार भी उन्होंने बल्ले से वही जवाब दिया जो न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ दिया था, तो ऑस्ट्रेलिया को भारत के सामने झुकना पड़ सकता है और प्रतीका रावल का नाम भारतीय क्रिकेट इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो जाएगा।

# शास्त्री ने एकदिवसीय क्रिकेट के पांच भारतीय दिग्गजों की सूची में विराट को शीर्ष पर रखा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट के पांच दिग्गज क्रिकेटरों का चयन किया है। हैरानी की बात ये है कि शास्त्री ने इसमें

विराट कोहली का नाम सचिन तेंदुलकर से पहले लिया है। शास्त्री का कहना है कि विराट ने एकदिवसीय में सचिन के कई रिकॉर्ड तोड़े हैं, इसी लिए उन्हें पहले रखा है। साथ ही कहा कि विराट इस प्रारुप में दुनिया में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं, हालांकि वह अब भी एकदिवसीय में सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रनों के रिकॉर्ड से काफी पीछे हैं। शास्त्री ने इस सूची में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और कपिल देव को भी रखा है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस सूची में शामिल नहीं किये जाने को लेकर कहा कि अभी उनके पास खेलने के लिए समय है। उन्होंने इस सूची में पूर्व खिलाड़ियों के साथ ही उन खिलाड़ियों को शामिल किया है जो करियर के अंत की ओर हैं। शास्त्री ने विराट को शीर्ष पर रखने क लि एक दशक से भी ज्यादा समय से उनके शानदार प्रदर्शन और मैच विजेता होने का कारण बताया है। शास्त्री ने तीन विश्व कप विजेता खिलाड़ियों – धोनी, तेंदुलकर और कपिल को भी अपनी इस सूची में रखा है। शास्त्री ने कहा, मैं कोहली, तेंदुलकर, कपिल, धोनी और रोहित को चुनूंगा। साथ ही कहा कि अगर आप क्रिकेट इतिहास को देखें तो कई और अच्छे खिलाड़ी रहे हैं पर मेरे लिए ये खिलाड़ी सबसे अलग रहे हैं। इसलिए उन्हें जगह दी है। इस सूची में केवल दो ही सक्रिय खिलाड़ी विराट और रोहित है हालांकि ये भी अपने अंतिम दौर में हैं।

# रोहित और कोहली होंगे 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के बड़े हथियार: भारतीय पूर्व चयनकर्ता

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने दिग्गज बल्लेबाज़ रोहित शर्मा और विराट कोहली की टीम इंडिया के लिए 2027 वनडे वर्ल्ड कप में अहम भूमिका निभाने की पुष्टि की है। प्रसाद ने कहा कि यह अनुभवी जोड़ी टीम के लिए बड़े संपत्ति साबित होगी।

तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, रोहित और विराट ने शानदार बल्लेबाज़ी का प्रदर्शन किया और भारत को 9 विकेट से जीत दिलाकर सीरीज में वाइटवॉश से बचाया। रोहित ने 121* रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और ODI में अपना 33वां शतक जड़ा। विराट कोहली ने पिछली दो पारियों में लगातार डक के बाद वापसी करते हुए 74 रन* बनाए और कुमार संगकारा को पीछे छोड़ते हुए पुरुषों के ODI में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

प्रसाद ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं। पिछले दो मैचों में उनके प्रदर्शन का इंतजार था। यह वर्ल्ड कप की तैयारी में बहुत अहम है। विराट और रोहित जैसे खिलाड़ी टीम के लिए बड़े संसाधन हैं।'

उन्होंने कहा कि दोनों बल्लेबाज़ों के पिछले रिकॉर्ड और फिटनेस को देखते हुए उन्हें केवल वर्तमान फॉर्म से आंका नहीं जा सकता। प्रसाद ने यह भी सराहा कि रोहित, विराट और रवींद्र जडेजा ने सही समय पर अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी संभालने का मौका दिया।

'टीम में इतनी प्रतिभा है कि श्रेस्अयर इयेर जैसी खिलाड़ी भी टी20 टीम में जगह नहीं पा रहे हैं। यह दर्शाता है कि टीम के पास बहुत गहराई है और युवा खिलाड़ी अब मजबूती से अपनी पहचान बना रहे हैं।'

प्रसाद ने टी20 फॉर्मेट में टीम की मजबूती और प्रतिभा के पूल की भी तारीफ की, यह बताते हुए कि भारत के पास आने वाले समय के लिए मजबूत टीम है।

## संक्षिप्त समाचार

### उत्तरी अफगानिस्तान में दो हथियारबंद लुटेरे मारे गए, चार एके-47 जब्त

**काबुल, एजेंसी।** अफगान पुलिस ने उत्तरी बल्ख प्रांत में एक मुठभेड़ के दौरान दो हथियारबंद लुटेरों को मार गिराया और चार एके-47 राइफलें जब्त कीं। प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। यह घटना गुरुवार देर रात चाहि जिले में हुई, जहां लुटेरों ने एक यात्री वाहन पर घात लगाकर हमला किया और उसमें सवार यात्रियों का सारा सामान लूट लिया। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार पीड़ितों ने तुरंत अपराध की सूचना दी, जिससे पुलिस को तुरंत कार्रवाई करने में मदद मिली। जब पुलिस ने संदिग्धों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया तो लुटेरों ने विरोध किया, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी हुई, जिसमें दोनों हमलावर मारे गए। उनके सामान की तलाशी में चार कलाश्निकोव असॉल्ट राइफलें मिलीं, जिनमें से दो लुटेरों की थीं और दो पहले सुरक्षा बलों से चुराई गई थीं। इसी से जुड़ी एक घटना में पुलिस ने बुधवार को पड़ोसी सारी पुल प्रांत में हुई मुठभेड़ में एक और हथियारबंद लुटेरे को मार गिराया। किसी और के हताहत होने की खबर नहीं है और जांच जारी है। 6 अक्टूबर को प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मुल्ला एजातुल्लाह हक्कानी ने कहा कि पुलिस ने पिछले पांच महीनों में दक्षिणी अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में कई अभियानों के दौरान लगभग 400 फायर आर्म्स और सैन्य उपकरण बरामद किए और जब्त किए। अधिकारी ने बताया कि प्रांतीय राजधानी लश्कर गाह और आसपास के जिलों से जब्त किए गए हथियारों में 41 कलाश्निकोव राइफलें, 188 पिस्तौलें, एक आरपीजी-7 राइफल, दो एम16 राइफलें, 170 से ज्यादा अन्य प्रकार के हथियार और हजारों गोलियां व प्रोजेक्टाइल शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अवैध रूप से हथियार रखने और ले जाने के आरोप में 75 लोगों को हिरासत में भी लिया है। अफगानिस्तान में व्यावहारिक शांति सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत, अफगान सरकार के सुरक्षा अंगों ने चार साल से भी ज्यादा समय पहले सत्ता संभालने के बाद से युद्धक टैंकों सहित हजारों हथियार और गोला-बारूद इकट्ठा किए हैं।

### नेपाल के करनाली प्रांत में खाई में गिरी जीप, आठ की मौत, 10 घायल

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल के करनाली प्रांत में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां रुकुम पश्चिम जिले के झरमारे इलाके में जीप के खाई में गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, 10 अन्य लोग घायल बताए गए हैं। बताया गया है कि 18 लोगों को ले जा रही जीप पहाड़ी इलाके में सड़क से नीचे 700 फीट गहरी खाई में गिर गई। यह हादसा काठमांडू से 500 किलोमीटर दूर, झरमारे में तब हुआ जब जीप मुसीकोट के खलांगा से अथबिस्कोट के स्यालीड़ी जा रही थी। शुरुआती जांच में सामने आया कि सात लोगों की हादसे के बाद मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की मौत स्थानीय अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। पीड़ितों की उम्र 15 से 30 वर्ष के बीच थी। बाकी 10 घायलों का इलाज रुकुम जिले के अस्पताल में कराया जा रहा है।

### चुनाव की तारीखों का जल्द हो सकता है एलान, निर्वासित बीएनपी नेता तारिक रहमान जल्द लौटेंगे स्वदेश

**ढाका, एजेंसी।** निर्वासित और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के शीर्ष नेता तारिक रहमान जल्द ही बांग्लादेश लौट सकते हैं। बीएनपी के शीर्ष नेता डॉ. खांडेकर मोशर्रफ हुसैन ने यह दावा किया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद चुनाव आयोग ने शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग पार्टी का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया है, जिसके बाद माना जा रहा है कि अवामी लीग आगामी चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाएगी। बीएनपी की स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य और पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. खांडेकर मोशर्रफ हुसैन ने कहा कि %हां, हमने सुना है कि वे (तारिक रहमान) जल्द लौटेंगे और ये उन्होंने खुद कहा है। चुनाव की तैयारियां चल रही हैं। हम सभी चुनाव का शेड्यूल घोषित होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वे आएं और चुनाव में हिस्सा लें। हम उम्मीद कर रहे हैं कि तारिक रहमान जल्द ही बांग्लादेश लौटेंगे। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या तारिक रहमान चुनाव तारीखों का एलान होने के बाद बांग्लादेश लौटेंगे या उससे पहले? तो डॉ. खांडेकर ने कहा कि %वे जल्द ही बांग्लादेश लौट सकते हैं, लेकिन मैं उनके लौटने का सही समय नहीं बता सकता। बांग्लादेश के मौजूदा हालात में बीएनपी देश की सबसे बड़ी पार्टी है और अगर सब कुछ सही रहा तो आगामी आम चुनाव में बीएनपी की जीत की संभावना सबसे ज्यादा है। बीएनपी के नेता होने के नाते तारिक रहमान बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जिया-उर-रहमान और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान, शेख हसीना की सरकार के समय कई मामलों में आरोपी थे और बांग्लादेश से बाहर निर्वासित जीवन जी रहे थे। जैसे ही शेख हसीना की सरकार सत्ता से बाहर हुई, वैसे ही तारिक रहमान को उनके खिलाफ दर्ज मामलों में राहत मिल गई।

# नेजुएला पर हमला कर सकता है अमेरिका : ड्रग ठिकानों को निशाना बनाना चाहते हैं ट्रम्प, जहाजी बेड़ा रवाना किया

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिका जल्द ही वेनेजुएला पर हमला कर सकता है। राष्ट्रपति ट्रम्प वेनेजुएला के भीतर ड्रग ठिकानों और उनके तस्करी रूट्स पर हमला करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि अभी इस पर आखिरी फैसला नहीं लिया गया। यह जानकारी अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन ने व्हाइट हाउस के 3 अधिकारियों के हवाले से दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रम्प ने हाल ही में वेनेजुएला में संभावित हमले के लिए जगहों को लेकर बातचीत बढ़ाई है। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने अमेरिकी नौसेना के सबसे उन्नत एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप जेराल्ड आर फोर्ड को यूरोप से कैरिबियाई क्षेत्र में भेजने का आदेश दिया है। इसके अलावा, ट्रम्प ने सीआईए को वेनेजुएला में गुप्त ऑपरेशन्स करने की अनुमति भी दी है। हालांकि, ट्रम्प ने यह भी कहा है कि वेनेजुएला के साथ कूटनीतिक बातचीत का विकल्प भी खुला है ताकि अमेरिका में ड्रग्स की आवाजाही को रोका जा सके। वेनेजुएला ने भी 5000 मिसाइल तैनात की वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने बुधवार को एक टीवी प्रोग्राम में कहा कि उनके देश ने अमेरिकी खतरे से निपटने के लिए रूस से मिली 5,000 इग्ला-एस मिसाइलें तैनात की हैं। मादुरो ने कहा- हमारे पास 5,000 मिसाइलें हैं, जो देश की शांति और आजादी की रक्षा करेंगी। ये

मिसाइलें हवा में कम दूरी के हमलों को रोकने के लिए तैनात की गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये हथियार किसी भी साम्राज्यवादी खतरे का जवाब देने के लिए हैं और वेनेजुएला की सेना अपनी मातृभूमि की एक-एक इंच जमीन की रक्षा के लिए तैयार है।

**अमेरिका ने कई बार वेनेजुएला की बोट्स पर हमला किया :** अमेरिकी सेना लगातार इंटरनेशनल वॉटर्स में ड्रग्स ले जा रहे जहाजों पर हमले कर रही है। हाल ही में कैरिबियाई क्षेत्र में एक ड्रग तस्करी जहाज पर हमला किया गया, जिसमें छह लोगों की मौत हुई। पिछले महीने से अब तक ऐसे हमलों में कुल 43 लोग मारे जा चुके हैं। अमेरिका लंबे समय से मादुरो के खिलाफ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वेनेजुएला के समुद्री तट के पास कुछ नौसैनिक जहाज भेजे हैं, जिन्हें अमेरिका ने ड्रग्स के खिलाफ ऑपरेशन बताया है। अमेरिका ने पिछले कुछ वक्त में वेनेजुएला की कुछ नावों को तबाह भी कर दिया है। उसका आरोप है कि ये नावें ड्रग्स ले जा रही थीं। हालांकि वेनेजुएला ने इन आरोपों को गलत बताया है।

**मादुरो पर 420 करोड़ रुपए का इनाम :** अमेरिका ने मादुरो पर 7 अगस्त को 50 मिलियन डॉलर, यानी करीब 420 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। इसके अलावा उनसे जुड़े 700 मिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति भी जब्त की गई है। इसमें दो प्राइवेट जेट भी शामिल हैं। ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि मादुरो ड्रग तस्कर हैं और ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में फेंटानाइल मिला कोकीन भेज रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि मादुरो के पास 7 टन कोकीन है, जिसे वे अमेरिका भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

**मदुरो पर 2020 में नार्को टेररिज्म के आरोप लगे थे :** मदुरो पर 2020 में मैनहैटन की संघीय अदालत में नार्को-टेररिज्म और कोकीन तस्करी की साजिश के आरोप तय किए गए थे। उस समय ट्रम्प प्रशासन ने उनकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। इसे बाद में बाइडेन प्रशासन ने बढ़ाकर 2.5 करोड़ डॉलर कर दिया। इतना इनाम अमेरिका ने 9/11 हमलों के बाद ओसामा बिन लादेन की गिरफ्तारी पर रखा था। मदुरो 2013 से वेनेजुएला की सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और लैटिन अमेरिकी देश उन पर चुनावों में धोखाधड़ी का आरोप लगाते रहे हैं। 2024 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में इन देशों ने मदुरो पर धांधली का आरोप लगाया था।

**अमेरिका ने वेनेजुएला पर कई प्रतिबंध लगाए हैं :** वेनेजुएला और अमेरिका के बीच कई दशकों से राजनीतिक मतभेद रहे हैं। वेनेजुएला, अमेरिकी की पूंजीवादी और विदेश नीतियों को लेकर आलोचना करता है, तो वहीं अमेरिका, वेनेजुएला में मानवाधिकार के उल्लंघन पर नाराजगी जताता रहा है। लगभग 100 साल पहले वेनेजुएला में तेल भंडारों की खोज हुई थी। तेल की खोज होने के 20 साल बाद ही वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देशों में से एक बन गया। उसे लैटिन अमेरिका का सऊदी अरब कहा जाने लगा। 1950 के दशक में वेनेजुएला दुनिया का चौथा सबसे धनी देश था, लेकिन आज इस देश की हालत खराब हो चुकी है। देश की 75 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है। ब्लूम्बर्ग के मुताबिक पिछले 7 साल में करीब 75 लाख लोग देश छोड़कर चले गए हैं। दरअसल, वेनेजुएला लगभग पूरी तरह से तेल पर निर्भर था।

## तुम्हारे दादा भी तो भारत से अमेरिका आए थे, ट्रंप का समर्थन कर फंसे निक्की हेली के बेटे

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली के बेटे नलिन हेली और ब्रिटिश-अमेरिकन पत्रकार मेहदी हसन के बीच माइग्रेशन को लेकर बहस छिड़ गई। नलिन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करके डोनाल्ड ट्रंप की माइग्रेशन और वीजा नियमों को लेकर सख्ती का समर्थन किया था और कहा था कि अमेरिका में ही पर्याप्त लोग हैं। वहीं एआई की वजह से भी जॉब मार्केट तंग चल रहा है। ऐसे में कोई किसी भी देश का रहने वाला हो, उसे अमेरिका आने की जरूरत नहीं है। इसपर पत्रकार मेहदी हसन ने कहा कि 1969 में तुम्हारे दादा भी भारत के पंजाब से ही अमेरिका आए थे। नलिन कोहली ने कहा कि विदेशियों को एच-1बी वीजा देना ही नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन को विदेशियों की नौकरी को लेकर और सख्त नियम बनाने चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे फर्क नहीं पड़ता की तुम किस देश के रहने वाले हो। चाहे कनाडा के ही नागरिक हो। हमें माइग्रेशन पर विराम लगाना है। हमारे पास बहुत सारे लोग है। कंपनियां पहले से ही हायरिंग नहीं कर रही हैं और इस तंग मार्केट में विदेशी अमेरिकियों की नौकरी ले लेते हैं। बता दें कि निक्की हेली इस समय साउथ कैरोलिना की गवर्नर हैं और नलिन उनके छोटे बेटे हैं। मीडिया कंपनी के संस्थापक हसन ने कहा कि नलिन के दादा अजित सिंह रंधावा 1969 में भारत से अमेरिका आए। उन्होंने बायॉलजी में मास्टर्सि का और फिर ब्रिटिश कोलंबिया कनाडा से पीएचडी की। 1969 में वह साउथ कैरोलिना चले गए और वहीं पढ़ाने लगे। वहीं मेहदी हसन का भी ताल्लुक भारत से ही है। उनके मां-बाप हैदराबाद से यूके गए थे। मेहदी हसन को जवाब देते हुए नलिन ने कहा, यह 1969 नहीं है। तुम लोगों को अमेरिका से बस शिकायतें ही रहती हैं। सोशल मीडिया पर लोग नलिन की आलोचना कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा, जिन लोगों ने तुम्हारे दादा को परेशान किया आज तुम उनके ही साथ खड़े हो। तुम्हें कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा एक अन्य यूजर ने कहा, अगर यही नीति पहले ही लागू होती तो तुम्हारा परिवार जीवित ही नहीं रहता बच्चे। बता दें कि नलिन हेली निक्की हेली और उनके पति माइकल हेली के छोटे बेटे हैं।

## वैज्ञानिकों ने खोला नया रहस्य, आर्गेनिक और प्राकृतिक आहार 25 फीसदी तक बढ़ाते हैं गर्भधारण की संभावना

**हार्वर्ड , एजेंसी।** मानव विकास की कहानी केवल बुद्धि और तकनीक की नहीं बल्कि ऊर्जा, ताकत और प्राकृतिक सामंजस्य की भी है। खासकर तब, जब बात प्रजनन की आती है। नवीनतम मानवविज्ञान और जैविक अनुसंधान यह संकेत दे रहे हैं कि शिकारी मैदानों (हंटर फील्ड्स) में मनुष्य की शारीरिक क्षमता, ऊर्जा व्यय और ताकत, गर्भधारण की संभावना व चयन के मनोवैज्ञानिक तंत्र को गहराई से प्रभावित करती रही है। अब आधुनिक अनुसंधान यह भी जोड़ता है कि शरीर सौष्ठव, ऑर्गेनिक और प्राकृतिक भोजन पद्धति उसी जैविक लय की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यानी जब शरीर अपनी ऊर्जा को कृत्रिम रसायनों से मुक्त रखता है, तब प्रजनन संकेत और हार्मोनल संतुलन अधिक स्वाभाविक रूप से सक्रिय होते हैं। यह भी पाया गया कि जिन महिलाओं ने आर्गेनिक और प्राकृतिक भोजन लिया उनमें गर्भधारण की संभावना 18 से 25 फीसदी बढ़ गई। अमेरिका के हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के ह्यूमन इवोल्यूशनरी बायोलॉजी डिपार्टमेंट और यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज के रीप्रोडक्टिव इकोलॉजी सेंटर द्वारा प्रकाशित संयुक्त अध्ययन नेचर हुमन बिहेवियर 2025 के अनुसार मानव समाज के आरंभिक हंटर-गैदरर युग में ऊर्जा व्यय और शारीरिक शक्ति का सीधा संबंध गर्भधारण की दर से पाया गया है। शोध में यह पाया गया कि जिन महिलाओं का शरीर ऊर्जा-संतुलन में था यानी न तो अत्यधिक वसा, न अत्यधिक परिश्रम उनमें अंडोत्सर्जन (ओव्यूलेशन) की संभावना अधिक थी। वहीं पुरुषों में उच्च सहनशक्ति, मजबूत हड्डी घनत्व और लंबे शिकार अभियानों से लौटने के बाद हार्मोनल स्तर में वृद्धि गर्भधारण के अवसर बढ़ाती थी। ऑर्गेनिक और प्राकृतिक भोजन लेने वाली माताओं से जन्मे बच्चों में इम्यून सिस्टम (प्रतिरोधक क्षमता) सामान्य तौर पर बेहद मजबूत पाया गया है। स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट और यूएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के संयुक्त अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया कि ऐसी माताओं के बच्चों में जन्म के बाद संक्रमण, एलर्जी और अस्थमा जैसी स्थितियां औसतन 40 से 45 प्रतिशत कम देखी गईं। हार्वर्ड टीएच चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के अध्ययन में पाया गया।

# एक साल में 158000 घट गई पोलैंड की आबादी, आने वाला है बहुत बड़ा संकट?

**वारसॉ, एजेंसी।** कल्पना कीजिए, एक ऐसा देश जहां हर साल लाखों लोग कम हो रहे हों। जहां बच्चे पैदा होने की संख्या मौतों से कहीं कम हो। जहां युवा नौकरी और बेहतर जिंदगी की तलाश में दूसरे देश चले जाते हों। यही हकीकत है यूरोपीय देश पोलैंड की। हाल ही में पोलैंड के सरकारी सांख्यिकी कार्यालय (ज़स) ने एक चौंकाने वाला आंकड़ा जारी किया है। इसके मुताबिक, पिछले एक साल में देश की आबादी 1,58,000 लोगों से घटकर अब लगभग 37.38 मिलियन रह गई है। यह गिरावट न सिर्फ आंकड़ों की बात है, बल्कि एक पूरे समाज की चिंता का विषय है।

**घटती आबादी का मतलब क्या है :** सबसे पहले, आबादी घटने का मतलब समझिए। जनसंख्या को मापने का सीधा फॉर्मूला है। आबादी = जन्म + अप्रवासन (नए लोग आना) - मौतें - प्रवासन (लोगों का जाना)। पोलैंड में जन्म कम हो रहे हैं, मौतें ज्यादा, युवा बाहर जा रहे हैं, और नए लोग उतने नहीं आ रहे जितने चाहिए। ज़स की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश की जनसंख्या में पिछले एक साल में 1,58,000 की कमी आई है, जो एक गहराते डेमोग्राफिक संकट की ओर इशारा करती है। सितंबर 2025 के अंत तक पोलैंड की जनसंख्या 37.38 मिलियन थी, जो पिछले साल की तुलना में 1,58,000 और 2024 के अंत की तुलना में लगभग 1,13,000 कम है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 की पहली तीन तिमाहियों में जनसंख्या में 0.30% की कमी आई, यानी हर 10,000 निवासियों पर देश ने 30 लोगों को खोया, जो पिछले साल के 27 प्रति 10,000 की तुलना में अधिक है। यह गिरावट कम जन्म दर और अन्य कारकों के कारण लंबे समय से चली आ रही जनसंख्या घटने की प्रवृत्ति को दर्शाती है।

**जन्म दर में कमी, ऐतिहासिक निचले स्तर पर :** रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से सितंबर 2025 के बीच लगभग 1,81,000 बच्चों के जन्म दर्ज किए गए, जो 2024 की समान अवधि की तुलना में लगभग 11,000 कम है। इस दौरान जन्म दर 6.5% तक गिर गई, जो पिछले साल की तुलना में 0.3 प्रतिशत अंक कम है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा पोलैंड के इतिहास में जन्म दर के सबसे निचले स्तरों में से एक है।

**कम प्रजनन दर, यूरोप में सबसे निचला स्तर :** पिछले साल पोलैंड की कुल प्रजनन दर, यानी एक महिला द्वारा अपने जीवनकाल में औसतन जन्म दिए गए बच्चों की संख्या, 1.11 तक गिर गई, जो यूरोपीय संघ में सबसे कम और विकसित देशों में भी सबसे निचले स्तरों में से एक है। पोलैंड में महिलाएं औसतन 1.11 बच्चे पैदा कर रही हैं। जबकि जनसंख्या स्थिर रखने के लिए कम से कम 2.1 बच्चे चाहिए। क्यों? क्योंकि युवा लोग शादी टाल रहे हैं, बच्चे पैदा करने से डर रहे हैं। महंगाई, नौकरी की असुरक्षा, और महामारी ने सबको सोचने पर मजबूर कर दिया। 2024 में पहली बार मां बनने की औसत उम्र 29.1 साल हो गई जो 1990 में यह 22.7 थी। बच्चे पैदा करने लायक उम्र की महिलाएं खुद कम हो रही हैं, क्योंकि 30 साल पहले जन्म कम हुए थे। यह आंकड़ा पोलैंड के सामने खड़े जनसांख्यिकीय संकट की गंभीरता को रेखांकित करता है।

# पाकिस्तान ने अमेरिका को सौंप दिए थे परमाणु हथियार: खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अफसर बोले- हमने मुशर्रफ को खरीद लिया था

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने अपने देश के परमाणु हथियारों का नियंत्रण अमेरिका को सौंप दिया था। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अफसर जॉन किरियाकू ने शुक्रवार को यह दावा किया है। किरियाकू ने कहा कि अमेरिका ने मुशर्रफ को लाखों डॉलर की मदद के जरिए खरीद लिया था। उनके शासनकाल में अमेरिका को पाकिस्तान की सुरक्षा और सैन्य गतिविधियों तक लगभग पूरी पहुंच थी। उन्होंने कहा, हमने लाखों डॉलर की सैन्य और आर्थिक मदद दी। बदले में मुशर्रफ ने हमें सब कुछ करने दिया।

किरियाकू ने यह बयान न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में दिया। उन्होंने यह भी कहा कि मुशर्रफ ने दोहरे खेल खेले। उन्होंने एक तरफ अमेरिका के साथ दिखावा किया और दूसरी ओर पाकिस्तान की सेना और चरमपंथियों को भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियां जारी रखने दिया।

**2002 में भारत-पाकिस्तान युद्ध होने वाला था :** किरियाकू ने बताया कि 2002 में भारत और पाकिस्तान युद्ध के कगार पर थे। उन्होंने कहा, इस्लामाबाद से अमेरिकी अधिकारियों के परिवारों को निकाल लिया गया था। हमें लगा कि भारत और पाकिस्तान युद्ध में उतर सकते हैं। उन्होंने 2001 में संसद हमले के बाद भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन पराक्रम का जिक्र किया। किरियाकू ने दावा किया कि अमेरिकी उप विदेश मंत्री ने दिल्ली और इस्लामाबाद का दौरा कर दोनों देशों के बीच समझौता करवाया। 2008 मुंबई हमलों पर बात करते हुए किरियाकू ने कहा कि मुझे नहीं लगता था कि यह अल-कायदा है। मुझे हमेशा लगता रहा कि ये पाकिस्तान समर्थित आतंकी समूह थे। और ऐसा ही साबित हुआ। असली कहानी यह थी कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैला रहा था और किसी ने कुछ नहीं किया।

**PAK परमाणु वैज्ञानिक को सऊदी ने बचाया :** पूर्व सीआईए अधिकारी ने यह भी खुलासा किया कि पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक अब्दुल कादिर खान को अमेरिकी कार्रवाई से बचाने में सऊदी अरब का अहम रोल था। सऊदी ने अमेरिका को कहा कि खान को न छेड़ा जाए, जिससे अमेरिका ने अपने प्लान को छोड़ दिया। किरियाकू ने अमेरिकी विदेश नीति पर भी सवाल उठाया और कहा कि अमेरिका लोकतंत्र का ढोंग करता है, लेकिन वास्तव में अपने स्वार्थ के अनुसार काम करता है। उन्होंने यह भी बताया कि सऊदी और अमेरिका का रिश्ता पूरी तरह लेन-देन पर आधारित है, अमेरिका तेल खरीदता है और सऊदी हथियार। किरियाकू ने कहा कि वैश्विक ताकतों का संतुलन बदल रहा है और सऊदी अरब, चीन और भारत अपनी रणनीतिक भूमिका को नया आकार दे रहे हैं।

## यूक्रेन युद्ध का अंत नजदीक? जल्द हो सकता है रूस के साथ समझौता, पुतिन के करीबी ने दिए संकेत

**वाशिंगटन, एजेंसी।** निवेश और आर्थिक सहयोग मामलों के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विशेष दूत किरिल दिमित्रियेव ने शुक्रवार को कहा कि रूस, अमेरिका और यूक्रेन अब युद्ध समाप्त करने के कूटनीतिक समाधान के काफी करीब हैं। अमेरिकी राजधानी वॉशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए पहुंचने के बाद सीएनएन से बातचीत में दिमित्रियेव ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच प्रस्तावित बैठक रद्द नहीं हुई है, बल्कि उचित समय पर बाद में आयोजित की जाएगी।

**ट्रंप-पुतिन बैठक स्थगित :** इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रंप ने कहा था कि हंगरी में पुतिन के साथ उनकी बैठक रद्द की गई है, क्योंकि रूस तत्काल युद्धविराम पर सहमत नहीं हुआ और वार्ता में प्रगति की कमी दिखी। ट्रंप ने कहा था कि यह बैठक अभी उपयुक्त समय पर नहीं है। हालांकि, दिमित्रियेव ने शुक्रवार को दावा किया, मुझे लगता है कि रूस, अमेरिका और यूक्रेन वास्तव में कूटनीतिक समाधान के काफी करीब हैं। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि संभावित समझौते में क्या प्रावधान होंगे।

**यूरोपीय देशों का नया युद्धविराम प्रस्ताव :** रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय देश यूक्रेन के साथ मिलकर वर्तमान युद्धरेखाओं के आधार पर युद्धविराम प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। यह प्रस्ताव पहले से जारी वार्ताओं के बिंदुओं को ही आगे बढ़ाता है, जबकि अमेरिका को वार्ता में केंद्रीय भूमिका बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है। दिमित्रियेव ने कहा, यह राष्ट्रपति जेलेंस्की का बड़ा कदम है कि अब उन्होंने मौजूदा युद्धरेखाओं पर बातचीत की बात स्वीकार की है। पहले वे कहते थे कि रूस को पूरी तरह पीछे हटना चाहिए। इसलिए मुझे लगता है कि अब हम कूटनीतिक समाधान के काफी करीब हैं।

**रूस का रुख :** रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर व्यापक पैमाने पर आक्रमण शुरू किया था। पिछले सप्ताह ट्रंप ने घोषणा की थी कि वह और पुतिन जल्द ही हंगरी में मुलाकात कर युद्ध समाप्ति पर चर्चा करेंगे, लेकिन पुतिन की ओर से अब तक किसी रियायत के संकेत नहीं मिले हैं। रूस लगातार यह मांग करता रहा है।

# संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद से की अपील- युद्ध के बजाय शांति पर खर्च करें संसाधन

**वाशिंगटन, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र में सुधार को लेकर लंबे समय से मांग चल रही है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद से अपील की है कि विकास और शांति के लिए संसाधनों का उपयोग किया जाए। महासचिव गुटेरेस ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र के भविष्य पर सुरक्षा परिषद की एक खुली बहस में यह अपील की। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, हनोई से एक वीडियो लिंक के माध्यम से महासचिव ने अपने भाषण की शुरुआत की। यूएन महासचिव गुटेरेस ने इस दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक किस्से का जिक्र करते हुए कहा कि 1946 में, मतदान से पहले सुरक्षा परिषद की पहली मतपेटी निरीक्षण के लिए खोली गई थी। जब पेटी खुली तो सभी को आश्चर्य हुआ कि उसमें पहले से ही एक कागज का टुकड़ा था। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बताया कि यह संदेश उस मतपेटी के निर्माता, न्यूयॉर्क के एक स्थानीय मैकेनिक पॉल एंटोनियो का था। उन्होंने कहा था कि वह पूरी दुनिया में स्थायी शांति की कामना करते हैं। गुटेरेस ने कहा, यह संदेश हमें याद दिलाता है कि सुरक्षा परिषद क्यों अस्तित्व में हैः यह उन लोगों के लिए है, जो ईमानदार हैं और जिन्होंने पिछले आठ दशकों से युद्ध के संकट से खुद को बचाने के लिए इस संस्था पर भरोसा रखा है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने आगे कहा, इस मंच पर बैठने का सौभाग्य, सबसे बढ़कर, उन लोगों की आस्था का सम्मान करने का कर्तव्य है। और युद्ध पर अक्सर खर्च होने वाले संसाधनों को विकास और शांति के कार्यों में लगाना है। कई महत्वपूर्ण अवसरों पर, सुरक्षा परिषद ने यह काम पूरा किया है और पिछले आठ दशकों में महाशक्तियों के बीच युद्ध की अराजकता को रोका गया। गुटेरेस ने आगे कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अच्छे काम करने के लिए जरूरी और ताकतवर है,

लेकिन इसकी वैधता कमजोर है। हमने अक्सर संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को चार्टर के सिद्धांतों के विरुद्ध काम करते देखा है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा, जब ऐसा होता है, तो न केवल तत्काल कार्रवाई रुक जाती है, बल्कि इससे संयुक्त राष्ट्र की पूरी परियोजना में विश्वास भी कम होता है। यह हम सभी को बड़े खतरे में भी डाल देता है। जब एक देश नियमों का उल्लंघन करता है, तो दूसरे देश सोचते हैं कि उन्हें भी ऐसा करने की छूट है और इतिहास हमें स्पष्ट रूप से बताता है कि यह रास्ता किस ओर ले जाता है। गुटेरेस ने यह भी कहा कि वैश्विक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सुरक्षा परिषद में सुधार बहुत जरूरी है और लंबे समय से इसका इंतजार भी हो रहा है। सुरक्षा परिषद में सुधार के तहत सदस्यता का विस्तार भी होना है। सदस्यता के विस्तार को लेकर यूएन महासचिव ने कहा कि अफ्रीका में संयुक्त राष्ट्र के लगभग आधे शांति अभियानों के साथ-साथ कई विशेष राजनीतिक मिशन भी चलाए जाते हैं, फिर भी परिषद में अफ्रीका की कोई स्थायी आवाज नहीं है। उन्होंने कहा, सुरक्षा परिषद चेंबर के दरवाजे खोलने और प्रकाश को अंदर आने देने का समय आ गया है। उद्देश्यपूर्ण सुरक्षा परिषद के बिना, दुनिया गंभीर खतरे में है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम एक ऐसी संस्था का निर्माण करें जो अगले 80 वर्षों की चुनौतियों का सामना कर सके, एक ऐसी संस्था का निर्माण करें जो सभी के लिए न्याय और सुरक्षा प्रदान करे।

### यूक्रेनी राष्ट्रपति की मांग- रूस के तेल पर प्रतिबंध और बढ़ाए अमेरिका; लंबी दूरी की मिसाइलें भी मांगीं

**कीव, एजेंसी।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को अमेरिका से अपील की कि वह रूस की दो तेल कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंधों को बढ़ाकर पूरे रूसी तेल क्षेत्र के लिए लागू करे। उन्होंने साथ ही अमेरिका से लंबी दूरी की मिसाइलों की भी मांग की, ताकि यूक्रेन की तरफ से रूस के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की जा सके।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यह बयान ब्रिटेन के लंदन में दिया। वे यहां यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक में शामिल हुए। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन को आश्वासन दिया कि अगर रूस के साथ उसका संघर्ष विराम लागू हो जाता है तो यूरोपीय देश भविष्य में रूसी हमलों से यूक्रेन की रक्षा के लिए सैन्य सहायता मुहैया कराएंगे।

मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लव जैन द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से छपवाकर 400/12, जैकबपुरा, न्यू रेलवे रोड, अपोजिट वर्मा (ईएनटी) से प्रकाशित किया, संपादक लव जैन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का निपटारा गुड़गांव न्यायालय में होगा।